

रो-रो सेवा का नया समय

1 जुलाई से लागू होगा मानसून शेड्यूल

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई और भायंदर शहरों को जलमार्ग से जोड़ने वाली रो-रो सेवा के लिए मानसून समय-सारिणी घोषित कर दी गई है। यह नया शेड्यूल 1 जुलाई से लागू होगा।

समुद्र में ज्वार-भाटा, मौसम की स्थिति और यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए समय-सारिणी में बदलाव किया गया है।

यात्रियों के लिए अहम सुविधा

वसई और भायंदर के बीच सीधा संपर्क मार्ग सीमित होने, राजमार्गों पर ट्रैफिक जाम और लोकल ट्रेनों में भीड़ के कारण बड़ी संख्या में यात्री रो-रो सेवा का उपयोग करते हैं। महाराष्ट्र समुद्री मंडल की ओर से उपलब्ध कराई जा रही इस सेवा का संचालन सुवर्णदुर्ग शिपिंग एंड मरीन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है। प्रत्येक फेरी में 33 वाहन और 100 यात्रियों के परिवहन की क्षमता है।

नए समय की जानकारी

नई समय-सारिणी के अनुसार 1 जुलाई से वसई से पहली फेरी सुबह 8:15 बजे रवाना होगी, जबकि भायंदर से पहली फेरी सुबह 9 बजे चलेगी। वहीं वसई से अंतिम फेरी शाम 7 बजे और भायंदर से अंतिम फेरी शाम 7:45 बजे रवाना होगी।

आरे अस्पताल पर फैसला टला

बीएमसी को अस्पताल सौंपने के प्रस्ताव पर समिति ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट, स्थिति पर सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गोरेगांव पूर्व स्थित आरे क्षेत्र के सरकारी अस्पताल को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के हवाले करने का प्रस्ताव फिलहाल टाल दिया गया है।

संबंधित समिति के समक्ष यह प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन तत्काल मंजूरी देने के बजाय इसे दोबारा परीक्षण और विस्तृत रिपोर्ट के लिए प्रशासन के पास भेज दिया गया है। इससे अस्पताल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता एक बार फिर बढ़ गई है।

विस्तृत जानकारी की मांग

समिति के सदस्यों ने अस्पताल की वर्तमान स्थिति को लेकर कई सवाल उठाए। बताया गया कि अस्पताल में फिलहाल केवल बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) जैसी सीमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल भवन की स्थिति, आवश्यक मरम्मत और भविष्य में आने वाले खर्च का पूरा आकलन किए बिना कोई अंतिम निर्णय लेने से समिति ने इनकार कर दिया।

स्थानीय लोगों की जरूरत

आरे क्षेत्र में बड़ी संख्या में आदिवासी पांडे और बरितया स्थित है। यहां रहने वाले लोगों के लिए नजदीक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। सांप काटे, सड़क दुर्घटना या अचानक बीमारी जैसी आपात स्थितियों में स्थानीय अस्पताल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

कालबाह्य खाद्य भंडार जब्त दो लोगों पर मामला दर्ज

एफडीए की बड़ी कार्रवाई में डेढ़ टन से अधिक खाद्य सामग्री बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की शिकायत पर कोंगांव पुलिस ने कालबाह्य और खराब खाद्य पदार्थों के कथित अवैध निपटान के मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के दौरान डेढ़ टन से अधिक खाद्य सामग्री जब्त की गई। इस पूरे प्रकरण को उजागर करने में विधायक रईस शेख की पहल अहम मानी जा रही है।

वेयरहाउस पर छापा

एफडीए की टीम ने 24 जून को सरावली स्थित एक बड़े लॉजिस्टिक एवं वितरण केंद्र पर छापेमारी की। जांच में बड़ी मात्रा में ऐसे खाद्य पदार्थ मिले जो कथित रूप से मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त या कालबा' हो चुके थे। अधिकारियों का आरोप है कि इन्हें नियमानुसार नष्ट करने के बजाय दोबारा बाजार तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही थी।

मामला दर्ज

कोंगांव पुलिस ने बीएनएस और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस दस्तावेजों, स्टैंक रिकॉर्ड और परिवहन संबंधी जानकारी की जांच कर रही है।

जयशंकर लाल

33 सेंधमारी का आरोपी गिरफ्तार

● आजमगढ़ से दबोचा गया शातिर चोर, 38.50 लाख का माल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ डोबिवली

कल्याण अपराध शाखा की टीम ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर 33 घर में चोरी के मामलों का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेश अरविंद राजभर (30) के रूप में हुई है। मूल रूप से आजमगढ़ का रहने वाला

सीसीटीवी से मिला सुराग

ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में बढ़ती सेंधमारी को देखते हुए पुलिस आयुक्त आशुतोष ढुंबरे ने विशेष जांच दल गठित करने के निर्देश दिए थे। इसी दौरान कल्याण अपराध शाखा यूनिट-3 की टीम विष्णुनगर पुलिस थाने में दर्ज एक चोरी के मामले की जांच कर रही थी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया, जिसकी पहचान पुराने अपराधी राजेश राजभर के रूप में हुई।

कई शहरों में वारदातें

पूछताछ में राजेश ने ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के बदलापुर, कल्याण, डोबिवली, भिवंडी, नारपोली, टिलकनगर, कोपरी, कळ्या, मानपाड़ा, कोलसेवाडी, उरण, टिटवाला, विष्णुनगर, मुंब्रा और नालासोपारा सहित विभिन्न क्षेत्रों में चोरी और घरघोड़ियां करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ ठाणे, रायगढ़ और अन्य जिलों में कुल 33 मामले दर्ज हैं। आरोपी ने अब तक 21 मामलों में अपनी सलिपता कबूल की है।

कोंकण और नागपुर के लिए वीकेड स्पेशल ट्रेनें

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मध्य रेल ने चार विशेष सेवाओं की घोषणा की

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए मध्य रेल ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से करमाली और नागपुर के लिए चार सप्ताहांत विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन विशेष सेवाओं का उद्देश्य यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना और नियमित ट्रेनों पर बढ़ते दबाव को कम करना है।

करमाली के लिए सेवा

मध्य रेल के अनुसार ट्रेन संख्या 01129 विशेष ट्रेन 26 जून 2026 को रात 12.20 बजे सीएसएमटी से रवाना होकर उसी दिन दोपहर 2.40 बजे करमाली पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01130, 28 जून को शाम 4.30 बजे करमाली से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 5.25 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। यह ट्रेन दादर, ठाणे, पानवेल, रोहा, पिपलुन, रत्नागिरी, कंकवली, कुडाल और शिविम सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी।

आरक्षण शुरू

रेलवे प्रशासन ने बताया कि ट्रेन संख्या 01129, 01021 और 01022 के लिए आरक्षण सभी पीआरएस केंद्रों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू कर दिया गया है। अनारक्षित डिब्बों के टिकट यूटीएस प्रणाली के माध्यम से सामान्य शुल्क पर उपलब्ध होंगे। यात्रियों को समय-सारिणी और उद्घाटन संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए एनटीईएस ऐप या रेलवे पूछताछ पोर्टल का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

भिवंडी में छापेमारी के दौरान 10 किलो संदिग्ध मांस जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भोईवाड़ा पुलिस ने कथित रूप से प्रतिबंधित गोमांस की अवैध बिक्री के मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 10 किलोग्राम संदिग्ध गोमांस जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 3,500 रुपए बताई गई है।

छापेमारी में बरामदगी

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिसकर्मों संभाजी अशोक सावले की शिकायत पर की गई। शिकायत के आधार पर 24 जून 2026 को दोपहर करीब 12:25 बजे से 1 बजे के बीच बाबुदुनी रोड स्थित गेट वेव क्लिनिकल लेबोरेटरी के सामने एक मकान पर छापे मारा गया। इस दौरान अफजल भूरा कुरेशी (56) और मोहम्मद सिद्दीक लत्सेीवाला के कब्जे से करीब 10 किलो संदिग्ध गोमांस बरामद किया गया।

आगे की जांच जारी

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अफजल कुरेशी को बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस देकर छेड़ दिया गया है, जबकि दूसरे आरोपी की भूमिका की जांच की जा रही है। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक शिवाजी पाटिल कर रहे हैं।

कंटेनर की टक्कर से ट्रक चालक की मौत

मुंबई-नाशिक हाईवे पर हादसा आरोपी चालक वाहन सहित फरार

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

मुंबई-नाशिक हाईवे पर अंजुर क्षेत्र में हुए एक भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आरोपी कंटेनर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। नरपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कैसे हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 54 वर्षीय कृष्णा बालू जोशी के रूप में हुई है, जो पेशे से ट्रक चालक थे। घटना 31 मार्च 2026 की शाम करीब 5:30 बजे अंजुर स्थित बॉम्बे ढाबे के सामने हुई। कृष्णा जोशी अपनी आइसक्रीम ट्रक लेकर मुंबई-नाशिक मार्ग से गुजर रहे थे, तभी आगे चल रहे एक कंटेनर चालक ने कथित रूप से तेज रफ्तार और लापरवाही से अचानक ब्रेक लगा दिया।

विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज

घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। नरपोली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सोनाली पाटिल कर रही हैं।



आजमगढ़ में दबिश

पुलिस ने डोबिवली स्थित उसके ठिकाने पर तलाश की, लेकिन वह वहां नहीं मिला। बाद में गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपने मूल गांव आजमगढ़ भाग गया है। इसके बाद अपराध शाखा की टीम उत्तर प्रदेश पहुंची और निगरानी के बाद उसके छिपे होने के स्थान पर छपा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे डोबिवली लाया गया।

विशेष टीम की कार्रवाई

यह कार्रवाई अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजित शिंदे, सहायक पुलिस निरीक्षक सजेरॉव पाटिल, बळवंत भराडे, उपनिरीक्षक किरण भिसे सहित अपराध शाखा की विशेष टीम के अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

पांच शातिर चोर गिरफ्तार

वालीव पुलिस ने 8 मामलों का किया खुलासा 3.43 लाख रुपए का माल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वालीव पुलिस थाना की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने घरों में चोरी और वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का माल और दोपहिया वाहन बरामद कर कुल 8 अपराधों का खुलासा किया है। बरामद संपत्ति की कीमत 3 लाख 43 हजार 905 रुपए बताई गई है।

कंपनी में सेंधमारी

पुलिस के अनुसार, वसई पूर्व के चिंचावड़ा स्थित एक ग्राफिक आर्ट्स कंपनी में 4 जून 2026 की रात चोरी की घटना हुई थी। अज्ञात चोरों ने कंपनी के मुख्य शटर के ऊपर लगी लोहे की जाली उखाड़कर अंदर प्रवेश किया और 56 हजार रुपए मूल्य की 400 एल्यूमिनियम प्लेटें चोरी कर ली थीं। इस मामले में वालीव पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरोपियों की पहचान

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शुभम पाटक, इरफान बंजारा, फैजल बंजारा, राजेशकुमार सरोज और विजय बहादुर गौड़ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने कई घरफोड़ और वाहन चोरी की वारदातें कबूल कीं।

भीड़ में महिला की 1.60 लाख चैन चोरी

भिवंडी: अंजुर-दिवे गांव स्थित बागेश्वर धाम मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर एक वृद्ध महिला के गले से करीब 1.60 लाख मूल्य की सोने की चैन चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस

प्रभाग समिती 'आय' कार्यालय, वसई			
prabaagsamitie@gmail.com			
ता. वसई, जि. पालघर पिन नं. ४०१ २०१			
जाहिर नोटीस			
वसई-विरार शहर महानगरपालिका सर्व नागरिकांना सूचित करण्यात येते की, खालील नमूद मिळकत धारकांनी मालमत्ता हस्तांतरण करणेकामी लेखी अर्ज तसेच कागदपत्रे प्रभाग समिती-आय कार्यालयात सादर केली आहेत. उक्त फेरफार प्रकरणी कोणतीही हरकत / तक्रार असल्यास त्यांनी कोर्टातल्या जाहीर नोटीस प्रसिध्द झालेल्या तारखेपासून ७ दिवसांच्या आत लेखी स्वरूपात कागदपत्रासह नोंदवावी. सदर बाबतीत कोणतीही हरकत / तक्रार न आल्यास कार्यालयामार्फत पुढील मालमत्ता हस्तांतरणाची कार्यवाही करण्यात येईल.			
अ. क्र.	विभाग	मालमत्ता क्र.	ज्याचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजे विकणाऱ्या किंवा करदात्याचे नाव
1.	वसई	VV09/6426	भिमाबाई गजानन पाटील
2.	वसई	VV01/172	फेलुबाई शावेर डोमेलो
3.	वसई	VV10/14569	मालती दिपक गोहिल रवि सोमा चव्हाण
4.	सांडोर	SD02/751	झेवियर एल्यास डिसोजा
5.	वसई	VV09/120420/32	सुपर सटार डेव्हलपर्स
6.	वसई	VV08/18057	नंद किशोर माशेलकर
7.	सांडोर (शुद्धपत्रिका)	SD02/466	राफायल दुर्मिंग सिरवेल
8.	नायगाव	NG01/304/53	सुर्या बिल्डर्स
9.	वसई	VV09/20253/5	आरती गणेश हातोडे व गणेश प्रकाश हातोडे
10.	वसई	VV09/20253/23	प्रीती महेश पवार
11.	वसई	VV02/20495	ई.झाबेल चार्ल्स अंद्रादीस
12.	नायगाव	NG01/437/8	मै.साई प्रसाद कंस्ट्रक्शन कंपनी
13.	वडवली	VD01/733/2	अँड्रियन आय डिमेलो व योलाड मु डिमेलो
14.	वसई	VV07/13827	टॉमस जोसेफ ब्रिटो
15.	वसई	VV04/11691	नेस्टर कुटिन्हो
16.	वसई	VV18/18858	रामचंद्र भगवान काळे
17.	वसई	VV01/475	अनंत के साघळे
18.	वसई	VV07/11825	फ्रान्सिस पोशान डायस
19.	वसई	VV07/10316	प्रशांत महाराी चोपडे
20.	वसई	VV06/14942	केदार रमाकांत हुदलीकर व विनया केदार हुदलीकर
21.	वसई	VV02/10020	संदिप दिनानाथ चौधरी
			सही/-
			सहा. आयुक्त
			प्रभाग समिती 'आय'
			वसई-विरार शहर महानगरपालिका

लोकल VOCAL

शॉर्ट स्टोरी

मुंब्रा-मीरा रोड रुट पर नई बसों की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे महानगरपालिका परिवहन समिति के पूर्व सदस्य एवं राकांपा (शरद पवार गट) के मुंब्रा-कलवा अध्यक्ष शमीम खान ने मुंब्रा से मीरा रोड मार्ग पर नई और आधुनिक टीएमटी बसें चलाने की मांग की है। उन्होंने वागले एस्टेट स्थित परिवहन कार्यालय में प्रबंधक भालचंद्र बेहरे से मुलाकात कर यात्रियों की समस्याओं को सामने रखा। खान ने कहा कि इस मार्ग पर चलने वाली कई बसें पुरानी हो चुकी हैं और अक्सर रास्ते में खराब हो जाती हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मीरा रोड प्रवासी संघ की शिकायतों के बाद यह मुद्दा उठाया गया। परिवहन प्रशासन ने सुबह 8:30 बजे की एक बस को तत्काल नई बस से बदलने तथा अन्य बसों को भी जल्द बदलने का आश्वासन दिया है। उन्होंने मुंब्रा में डबल डेकर बसें शुरू करने, मुंबई जाने वाली बीईएसटी बसों को रेली बंदर के बजाय मुंब्रा पुलिस स्टेशन तक बढ़ाने और कोसा स्थित हकीम अजमल खान अस्पताल के सामने बसों को अधिक समय तक रोकने की मांग भी की। शमीम खान ने कहा कि बसों को निर्धारित स्टॉप पर ही रोकना चाहिए ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। टीएमटी प्रशासन ने सभी मांगों पर सकारात्मक विचार कर जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया है।

पहली बारिश में डूबा हनुमान गली इलाका

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

मानसून की पहली बारिश ने वसई-विरार महानगरपालिका के नाला सफाई दलों की पोल खोल दी है। प्रभाग समिति 'एफ' के अंतर्गत धाणीव बाग स्थित हनुमान गली क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बरसात से पहले नालों और गटरों की सफाई केवल कामजोरों तक सीमित रही। क्षेत्र के अधिकांश नाले और गटर अब भी गंद व कचरे से भरे हुए हैं। इसके चलते बारिश का पानी निकासी नहीं होने से सड़कों और घरों के बाहर जमा हो गया, जिससे पूरा इलाका तालाब में तब्दील नजर आया। नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष नाला सफाई पर लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई सुधार दिखाई नहीं देता। जलभराव के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है और गंदगी के चलते स्कंदामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नालों की सफाई और कचरे के निस्तारण का काम युद्धस्तर पर नहीं किया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। मामले में अब तक महानगरपालिका प्रशासन की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अवैध पिस्तौल के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

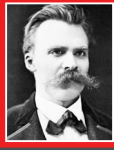
हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

नरपोली पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जब हथियार और कारतूस की कुल कीमत करीब 89 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, 23 जून 2026 की शाम करीब 7-25 बजे ताडाली से ओवाली जाने वाले पत्र के नीचे गलत के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास से लोहे की बनी एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इस्तियाक लियाकत अली अंसारी उर्फ पंजाबी (45) के रूप में हुई है। वह भिवंडी के अजमेरनगर क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पुलिस ने उसे उसी रात औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपी के पास हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। साथ ही उसने ठाणे पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निषेधात्मक आदेशों का भी उल्लंघन किया था। नरपोली पुलिस स्टेशन में भारतीय शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार आकाश पवार कर रहे हैं।

भीड़ में महिला की 1.60 लाख चैन चोरी

अनुसार, डोबिवली पश्चिम निवासी 60 वर्षीय कांति अभिमन्यु पाटिल अपनी भतीजी रूपाली के साथ 22 जून 2026 की शाम मंदिर में आयोजित धार्मिक प्रवचन में शामिल होने पहुंची थीं। करीब 5:30 बजे वह मंदिर की सीढ़ियों के पास दर्शन कर रही थीं। इसी दौरान किसी ने सोने की चैन चोरी कर ली।

विचार प्रवाह



आपका अपना रास्ता है। मेरा अपना रास्ता है। जहाँ तक सही रास्ते, उचित रास्ते, और एक ही रास्ते की बात है, वो एंगिजस्ट नहीं करता।

– फ्रेडरिक नीत्शे

संपादकीय

युद्धस्तर पर की जाए जल संग्रह की तैयारी

दक्षिण-पश्चिम मौनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसून संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती को मौनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मौनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, जिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, काल किरायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हो। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों की आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है। लेकिन हमें लाखों किसानों का जीविका संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश में मौसम के मिजाज में होने वाला बदलाव अब कभी-कभार की बाधा नहीं रही, बल्कि बार-बार होने वाली सच्चाई बन गया है। मानसून के व्यवहार में लगातार अनिश्चितता को देखते हुए देश के नीति-निर्माताओं को खेती संरक्षण के लिये एक ऐसा तंत्र बनाने की जरूरत है, जो मौसम के बदलावों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सके। तभी हम भविष्य की अनिश्चितताओं का सही तरीके से सामना कर सकेंगे। साथ ही हमें देश में पानी के सदुपयोग की दिशा में भी पहल करने की जरूरत है। देश में जलाशयों के जल का किफायती उपयोग हो। निस्संदेह, कम बारिश से केवल किसान व ग्रामीण अर्थव्यवस्था ही प्रभावित नहीं होती है, सूखे से खाद्यान्न की उत्पादकता घटने पर अनाज महंगा होने से आम आदमी का जीवन भी बाधित होता है। जिससे किसान की ही नहीं, पूरे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

आज का इतिहास



■ 1945 - सेन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर।
■ 1992 - भारत ने 'तीन बीघा गलियारा' 999 वर्षों के लिए बांग्लादेश को पट्टे पर दिया।
■ 1999 - अमेरिकी ऊर्जा विभाग के हथियार कार्यक्रम के प्रमुख विक्टर रीस का इस्तीफा, बुडापेस्ट (हंगरी) में विषय विज्ञान सम्मेलन की शुरुआत, आई.ओ.सी. से अध्यक्ष जे.ए. समारांच को 'बेस्ट स्पोर्ट्स' लीडर आफ द सेंचुरी अवार्ड' प्रदत्त।
■ 2000 - अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल द्वारा बांग्लादेश को टेस्ट का दर्जा दिया गया।
■ 2004 - पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जमाली का इस्तीफा, शुजात हुसैन नये कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने।
■ 2008 - बहुराष्ट्रीय कंपनी रियोरिटी ने मध्य प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र में छतरपुर जिले के तहत हीरा खनन के लिए खनिज पट्टा माईनिंग लीज हासिल कर बंदर डायमंड प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की। बिजली परियोजनाओं के लिए कार्टिंग फोर्जिंग एवं बेलेस आफ प्लांट उपकरणों को बनाने के लिए एनटीपीसी व भारत फोर्ज ने बीएफ-एनटीपीसी एनर्जी सिस्टम लिमिटेड नामक संयुक्त उद्यम बनाया।
■ 1992-मनप्रीत सिंह-भारतीय

फील्ड हॉकी खिलाड़ी हैं।
■ 1969 - धर्मेंद्र प्रधान - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
■ 1967 - तरुण सागर - जैन धर्म के भारतीय दिगंबर पंथ के प्रसिद्ध मुनि थे।
■ 1943 - गोवर्धन मेहता - भारतीय शोधकर्ता और रासायनिक वैज्ञानिक हैं।
■ 1942 - योगेन्द्र नारायण - केंद्र सरकार में रक्षा सचिव और राज्य सभा में महासचिव पद पर रहे थे।
■ 1838 - बंकिमचंद्र चटर्जी - बंगाली उपन्यासकार।
■ 1931 - एस. मल्लिकार्जुनैय्या - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ थे।
■ 1873 - गौहर जान - भारतीय गायिका और नर्तकी थीं।
■ 1888 - बाल गन्धर्व - मराठी रंगमंच के महान नायक और प्रसिद्ध गायक।
■ 1918 - सेकेंड लेफ्टिनेंट रामा राघोबा राणे - परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय सैनिक।
■ 2004 - यश जौहर - भारतीय फिल्म निर्माता।
■ 2001 - गोपाल रामानुजम - भारतीय राजनीतिज्ञ, जिनमाने समाज सेवक और भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के सह-संस्थापक थे।
■ 1961 - गोविंद शास्त्री दुर्गवेकर - प्रसिद्ध साहित्यकार।

पीओके पर पाक की उलझन

खाजा आसिफ के बयान ने कश्मीर पर पाकिस्तान की दशकों पुरानी नीति की पोल खोल दी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पाकिस्तान ने अपने गठन के समय से ही कश्मीर पर दावा किया है। इस मुद्दे को लेकर उसने भारत के साथ चार युद्ध लड़े, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार आवाज उठाई और खुद को कश्मीरी जनता का सबसे बड़ा हितैषी बताने की कोशिश की। लेकिन हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खाजा आसिफ के एक बयान ने इस पूरी कहानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहे आंदोलनों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वहां रहने वाले लोग वास्तव में कश्मीरी नहीं हैं, बल्कि पहाड़ी और पोटोहारी भाषाएं बोलने वाले समुदायों से जुड़े हैं। यह बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की लगभग आठ दशक पुरानी कश्मीर नीति के मूल आधार को चुनौती देने वाला है।

एक बयान, कई सवाल

दावे में छिपा विरोधाभास

पाकिस्तान हमेशा यह कहता रहा है कि वह कश्मीरी जनता के अधिकारों और हितों के लिए संघर्ष कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उसने यही तर्क रखा कि कश्मीर के लोगों की इच्छा का सम्मान होना चाहिए। लेकिन यदि पाकिस्तान के अपने रक्षा मंत्री यह कह रहे हैं कि पीओके के लोग असली कश्मीरी नहीं हैं, तो फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पाकिस्तान आखिर किसके नाम पर यह संघर्ष करता रहा है। यह बयान पाकिस्तान की आधिकारिक नीति और उसके राजनीतिक दावों के बीच मौजूद गहरे विरोधाभास को उजागर करता है।

सांस्कृतिक विविधता की अनदेखी

■ वास्तव में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर केवल प्राकृतिक सौंदर्य के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और भाषाई विविधता के लिए भी जाना जाता है। तथाकथित 'आजाद कश्मीर' और गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्रों में पोटोहारी, पहाड़ी, गुजजरी, शिना और बलती जैसी कई भाषाएं बोली जाती हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने पिछले लगभग 79 वर्षों से पूरे क्षेत्र को एक समान कश्मीरी पहचान के दायरे में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। अब उसी देश के रक्षा मंत्री ने इस दावे को कमजोर कर दिया है। इससे स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान ने वर्षों तक वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति को नजरअंदाज किया।

पीओके में बढ़ता असंतोष

■ इन दिनों पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बढ़े पैमाने पर आंदोलन चल रहे हैं। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुई हैं। गोलीबारी की घटनाओं ने स्थिति को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि कई स्थानीय नागरिक सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। यह स्थिति उस पाकिस्तान के लिए असहज है, जो दुनिया भर में कश्मीरी जनता के अधिकारों की बात करता रहा है। आज वही जनता पाकिस्तान सरकार और उसकी नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतर रही है।

नैतिक संकट में पाकिस्तान

■ यह घटनाक्रम पाकिस्तान की राजनीतिक और नैतिक स्थिति पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। एक ओर वह कश्मीर के लोगों के अधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर पीओके में विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए सेना को खुली छूट देता है। ऐसे समय में रक्षा मंत्री का बयान आग में भी डालने जैसा साबित हुआ है। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि पाकिस्तान का कश्मीर संबंधी नरेटिव वास्तविकता से अधिक राजनीतिक हितों पर आधारित रहा है।

भारत की स्थिति मजबूत

■ इन घटनाओं के बीच भारत की आधिकारिक नीति पहले की तरह स्पष्ट बनी हुई है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी उसका अभिन्न हिस्सा है और वहां के नागरिक भी भारत के ही नागरिक हैं। खाजा आसिफ के बयान ने अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान के दावे की कमजोरी को उजागर किया है। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना पक्ष और अधिक मजबूती से रखने का अवसर मिल सकता है।

राजनाथ सिंह के बयान की प्रासंगिकता

■ कुछ समय पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि वहां के लोग स्वयं भारत के साथ जुड़ने की इच्छा व्यक्त करेंगे। उस समय इस बयान को राजनीतिक दृष्टि से देखा गया था, लेकिन पीओके में बढ़ते असंतोष और पाकिस्तान के प्रति जनता के रोष को देखते हुए यह टिप्पणी अब अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है। वहां की परिस्थितियां संकेत देती हैं कि लोगों की अपेक्षाएं और वास्तविकताएं पाकिस्तान के आधिकारिक दावों से मेल नहीं खा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर की बदलती तस्वीर

■ पीओके की स्थिति को समझने के लिए जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रमों पर भी नजर डालनी होगी। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद आशंका जताई गई थी कि क्षेत्र में हिंसा और अस्थिरता बढ़ेगी। हालांकि वास्तविकता इससे अलग दिखाई दी। आतंकवादी गतिविधियों में कमी आई, पर्यटन को बढ़ावा मिला, आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी आई और निवेश के नए अवसर पैदा हुए। हाल ही में कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी कश्मीर में सामान्य स्थिति का उल्लेख किया। निश्चित रूप से चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन यह भी सच है कि विकास और स्थिरता की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

बदलते यथार्थ का संकेत

■ आज एक ओर भारतीय जम्मू-कश्मीर में विकास, पर्यटन और सामान्य जीवन की दिशा में प्रगति दिखाई दे रही है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में असंतोष, विरोध प्रदर्शन और दमन की खबरें सामने आ रही हैं। हाल की घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि भावनात्मक नारों और राजनीतिक दावों से अधिक प्रभाव वास्तविक परिस्थितियों का होता है। पाकिस्तान के मंत्री स्वयं पीओके के लोगों की अलग पहचान स्वीकार कर रहे हैं, जबकि वहां की जनता अपने बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है।

भारत के लिए अवसर

■ कश्मीर से जुड़ा यह नया घटनाक्रम भविष्य में राजनीतिक और नैतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। पाकिस्तान की आधिकारिक नीति में अमरते विरोधाभास और पीओके में बढ़ता असंतोष भारत के पक्ष को मजबूती प्रदान करते हैं। ऐसे में भारत के लिए यह अवसर है कि वह तथ्यों और वास्तविकताओं के आधार पर अपना पक्ष वैश्विक मंचों पर और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे। बदलते हालात संकेत दे रहे हैं कि कश्मीर प्रश्न को लेकर नई राजनीतिक परिस्थितियां आकार ले रही हैं, जिनका प्रभाव आने वाले वर्षों में दूरगामी हो सकता है।

गहलोत का बढ़ता कद

● मारवाड़ दौरे ने फिर दिखाई जनस्वीकार्यता और राजनीतिक प्रभाव

● गहलोत का जनाधार बरकरार, मारवाड़ दौरे का संदेश

राकेश दुबे @ मुंबई

में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई है।

राजस्थान की राजनीति में अशोक गहलोत सदा सदा से लगातार मजबूत होते रहे हैं। आज भले ही वे मुख्यमंत्री नहीं हैं, लेकिन प्रदेश की राजनीति और जनता, दोनों में उनका प्रभाव आज भी उतना ही प्रासंगिक दिखाई देता है, जितना उनके मुख्यमंत्री रहते हुए था। हाल ही में जालोर, पाली, सिरोंही और उदयपुर सहित मारवाड़ क्षेत्र के विभिन्न जिलों के उनके दौरे ने यह संदेश दिया है कि सत्ता से बाहर होने के बावजूद उनकी जनस्वीकार्यता



राजस्थान में कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत और सामाजिक आधार को बनाए रखने में गहलोत की भूमिका अब भी केंद्रीय बनी हुई है।

सक्रियता में नहीं कमी

■ यह भी तथ्य है कि कांग्रेस के भीतर पिछले कुछ वर्षों में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच मतभेदों की चर्चा लगातार होती रही है। हालांकि इन परिस्थितियों के बावजूद गहलोत ने अपनी राजनीतिक सक्रियता में कोई कमी नहीं आने दी। हाल के महीनों में उनके कई स्पष्ट और बेबाक बयान राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। वरिष्ठ राजनीतिक पत्रकार महावीर जैन कहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस की वर्तमान स्थिति भले ही अपेक्षित रूप से मजबूत नहीं कही जा सकती, लेकिन पार्टी के जनाधार को बनाए रखने और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने का काम अभी भी गहलोत प्रभावी ढंग से करते दिखाई देते हैं। जैन कहते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का लगभग सभी जाति, समाज और वर्ग में प्रभाव है, उसका एक बहुत बड़ा तबका कांग्रेस के लिए उम्मीद है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री रहते हुए गहलोत जो योजनाएं लाते थे, उनसका लाभार्थी वर्ग भी बहुत बड़ा है, जो उनके नेतृत्व में विश्वास करता है।

राजनीति की केंद्रीय शक्ति

■ मारवाड़ का हालिया दौरा वस्तुतः अशोक गहलोत के राजनीतिक कद के पुनः पुष्टि का अवसर बन गया। यह दौरा केवल जनसभाओं और स्वागत कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने यह संदेश भी दिया कि राजस्थान की राजनीति में गहलोत का अब भी एक केंद्रीय शक्ति है। राजनीति के जानकारों का निष्कर्ष है कि राज्य में कांग्रेस के भविष्य की किसी भी रणनीति में अशोक गहलोत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार

कहते हैं कि सत्ता से बाहर रहने के बावजूद यदि किसी नेता को लगातार व्यापक जनसमर्थन, कार्यकर्ताओं का उत्साह और राजनीतिक प्रासंगिकता प्राप्त हो रही है, तो वह उसके लंबे राजनीतिक निवेश और जनविश्वास का परिणाम होता है। मारवाड़ दौरे ने एक बार फिर साबित किया है कि अशोक गहलोत का राजनीतिक प्रभाव केवल पद तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राजस्थान की राजनीति की स्थायी वास्तविकताओं में से एक बन चुका है।

प्रेरक प्रसंग

इन्साफ

उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य अपनी बुद्धिमत्ता, न्यायप्रियता और दूरदर्शिता के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध थे। उनके दरबार में दूर-दूर से लोग न्याय पाने के लिए आते थे। कहा जाता था कि राजा केवल अपराध नहीं देखते थे, बल्कि अपराधी के स्वभाव, चरित्र और मानसिकता को भी समझते थे। यही कारण था कि उनके न्याय की मिसाल दी जाती थी। एक दिन दरबार में तीन व्यक्तियों को प्रस्तुत किया गया। तीनों पर एक ही प्रकार का अपराध करने का आरोप सिद्ध हो चुका था। दरबारियों को विश्वास था कि तीनों को समान दंड मिलेगा, क्योंकि अपराध एक जैसा था। लेकिन राजा विक्रमादित्य ने ऐसा नहीं किया। पहले व्यक्ति को अपने सामने बुलाकर राजा ने शांत स्वर में कहा कि तूम एक सम्मानित और भले आदमी माने जाते हो। तुम्हारे जैसे व्यक्ति को ऐसा कार्य करना बिल्कुल शोभा नहीं देता। मुझे तुमसे ऐसी अपेक्षा नहीं थी। इतना कहकर राजा ने उसे जाने दिया। दूसरे व्यक्ति को बुलाया गया। राजा ने उसे उसके अपराध के लिए कड़ी फटकार लगाई। उसे बुरा-भला कहा, उसकी गलती का एहसास कराया और चेतावनी देकर छोड़ दिया। अब तीसरे व्यक्ति की बारी आई। राजा ने आदेश दिया कि उसका मुंह काला किया जाए, उसे गधे पर छोड़कर पूरे नगर में घुमाया जाए ताकि लोग उसके अपराध को जान सकें। आदेश का पालन किया गया और उसे सार्वजनिक अपमान का दंड मिला। दरबारियों को यह निर्णय समझ में नहीं आया। एक दरबारी ने साहस करके पूछा कि महाराज, अपराध तो तीनों का एक जैसा था, फिर दंड अलग-अलग क्यों दिया गया? राजा मुस्कराए और बोले, कुछ दिन प्रतीक्षा करो। फिर मैं तुम्हें इसका उत्तर दूंगा।

■ कुछ दिनों बाद राजा ने तीनों व्यक्तियों के बारे में समाचार मंगवाए। जानकारी मिली कि पहले व्यक्ति को अपनी गलती पर इतना गहरा पश्चाताप हुआ कि वह शर्म और आत्मसांनिहसहन नहीं कर सका। उसने विष खाकर अपने प्राण त्याग दिए। दूसरे व्यक्ति ने भी अपने अपराध को गंभीरता से लिया। वह समाज और परिवार की नजरों में गिर जाने के कारण घर-बार छोड़कर कहीं दूर चला गया और एकांत जीवन जीने लगा।

■ लेकिन तीसरे व्यक्ति का हाल बिल्कुल अलग था। सार्वजनिक अपमान के बाद भी उसे कोई पश्चाताप नहीं हुआ। उसने केवल अपने कपड़े बदले, शराब पी और पहले की तरह बेधड़क जुआ खेलने लगा। यह सुनकर राजा ने दरबारियों से कहा कि न्याय केवल अपराध देखकर नहीं किया जाता। अपराधी की प्रकृति, उसकी संवेदनशीलता और सुधार की संभावना को भी समझना पड़ता है। जो व्यक्ति स्वयं अपनी गलती से दूर जाता है, उसे कठोर दंड की आवश्यकता नहीं होती।

■ लेकिन जिस पर किसी बात का असर ही न हो, उसके लिए कठोर दंड भी कम पड़ सकता है। राजा की यह बात सुनकर सभी दरबारी उनकी न्याय-नीति से अत्यंत प्रभावित हुए। उन्हें समझ में आ गया कि सच्चा न्याय वही है जो व्यक्ति की प्रकृति को पहचानकर किया जाए, क्योंकि समान अपराध करने वाले सभी लोग समान स्वभाव के नहीं होते। शिक्षा: सच्चा न्याय केवल अपराध को देखकर नहीं, बल्कि अपराधी के स्वभाव, संवेदनशीलता और सुधार की संभावना को समझकर किया जाना चाहिए।

राशिफल

मे़ष- व्यावसायिक यात्रा मनोनूकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

वृ़षभ-कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मि़थुन- निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी।

कर्क- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह- व्यापार-व्यवसाय मनोनूकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें। कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे।

कन्या- संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सांस-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बढ़ा सकते हैं। प्रमाद से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला-विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनूकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। किसी आन्दोलन में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृ़श्चिक- व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

धनु- कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर-व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनूकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें। किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुंभ-घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के अवसर नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। निवेश व नौकरी मनोनूकूल लाभ देंगे। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

मीन-आज किसी से भी मजाक न करें, वरना मामला गुड़बड़ हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें। आंखों को चोट व रोग से बचाए। कीमती वस्तु गुम हो सकती है।



नई टीम में 60 फीसदी नए चेहरे

■ 20 पिछड़े, 6 दलित और 7 ब्राह्मण, यूपी में बीजेपी का 2027 समीकरण

मनीष दीक्षित को फिर मीडिया की कमान

पार्टी ने मनीष दीक्षित को उनके लंबे चुनावी अनुभव के चलते आगामी विधानसभा चुनाव के महेनजर फिर से प्रदेश के मीडिया विभाग की कमान सौंपी गई है। इस बार पार्टी ने मुख्य प्रवक्ता भी नियुक्त किया है। इसकी जिम्मेदारी दिनेश प्रताप सिंह को दी गई है। जबकि हिमांशु राज पंडित को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। वहीं भारत दीक्षित फिर प्रदेश कार्यालय मंत्री बनाए गए हैं। उनके साथ सह मंत्री के रूप में अतुल अवस्थी और लक्ष्मण सिंह को भी रिपीट किया गया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष: सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रजबहादुर, डा. धर्मेन्द्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शायक, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरि, कामेश्वर सिंह, डा. कृतिका अग्रवाल, सुरेश मोर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय, आलोक गुहा।

प्रदेश महामंत्री: रामप्रताप सिंह चौहान, अभिजात मिश्रा, गीता शाक्य, संजय राय, उपेंद्र रावत, शंकर लोधी, राजेश चौधरी, दिलीप पटेल।

प्रदेश मंत्री: विजय शिवहरे, बसंत, त्यागी, शिवभूषण सिंह, सहजानंद राय, अंकुर शर्मा, अनिल यादव, अवधेश श्रीवास्तव, विजय राजभर, प्रमोद जागड़ा विश्वकर्मा, किरण लोधी निषाद, राकेश बिंद, संचिता सिंह चौहान (तुनिया), रजनी पांडेय, राहुल वास्नीकी, महाभेषा नागर, दीपमाला संतोषी, सुभाषिनी जैसवाल, यतेंद्र शर्मा, आकांक्षा सोनकर।

क्षेत्रीय अध्यक्ष:

पश्चिम – नवाब सिंह नागर, ब्रज – पूरन लाल लोधी, कानपुर – राम किशोर साहू, अवध – अवधेश द्विवेदी, काशी – अशोक चौरसिया, गोरखपुर – विनोद राय।

मोर्चा अध्यक्ष:

युवा मोर्चा – रोहित मिश्रा पिछड़ा मोर्चा – प्रकाश पाल किसान मोर्चा – देवेन्द्र सिंह अनुसूचित मोर्चा – अशोक रावत महिला मोर्चा – सरोज कुशवाह अनुसूचित जनजाति मोर्चा – विद्याभूषण गोंड

सरकार लोगों की नागरिकता छीनने की जमीन तैयार कर रही : कांग्रेस



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार पासपोर्ट के नाम पर अब लोगों की नागरिकता छीनने की जमीन तैयार कर रही है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह दावा भी किया कि उन भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया जाएगा जो सरकार से वैचारिक और राजनीतिक असहमति रखते हैं।

■ दरअसल, सरकार के सूत्रों ने बहुरूपतितार को कहा कि पासपोर्ट कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा है और मोदी सरकार ने पिछले 12 साल में इस दस्तावेज को लेकर कोई नया फैसला नहीं लिया है। पासपोर्ट को यात्रा दस्तावेज बनाने और नागरिकता का सबूत नहीं होने संबंधी विदेश मंत्रालय के बयान पर मीडिया में आई खबरों को लेकर सूत्रों ने कहा कि यह कल तय नहीं किया गया है कि पापापोर्ट नागरिकता का सबूत है।

■ वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि यह सरकार आम नागरिकों के बीच भय का माहौल पैदा करने में माहिर है। यह कहकर कि पासपोर्ट भी किसी व्यक्ति की नागरिकता का प्रमाण नहीं है, वह उन भारतीय नागरिकों के नागरिक अधिकारों को मनमाने ढंग से नकारने की जमीन तैयार कर रही है, जिनसे उसकी वैचारिक या राजनीतिक असहमति है। उन्होंने कहा कि हम भली-भांति जानते हैं कि अपनी राजनीतिक मंशा को पूरा करने के लिए कुछ समुदायों के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने के गुप्त प्रयास किए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि वह दिन दूर नहीं जब यह फासीवादी शासन राजनीतिक प्रतिरोध की भावना से प्रेरित होकर लोगों की नागरिकता भी छीन लेगा, भले ही उनके पास भारतीय होने का प्रमाण देने वाला पासपोर्ट या कोई अन्य दस्तावेज क्यों न हो।

कांग्रेस ने छेड़ा ‘छात्रों की गुंज’ अभियान, अट्वाइस शहरों से प्रधान के इस्तीफे की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रश्नपत्र लोक और परीक्षाओं में कथित धांधली के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना अभियान तेज करते हुए गुरुवार को देश के अट्वाइस शहरों से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। पार्टी के 'छात्रों की गुंज' अभियान के तहत अट्वाइस नेताओं ने अट्वाइस शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार 'बच्चों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ की जवाबदेही' से नहीं बच सकती।

अट्वाइस शहरों में एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस

दिल्ली में गोवर्धन गोरोई, भुवनेश्वर में पवन खेड़ा, पुणे में कन्हैया कुमार, जयपुर में अशोक तंवर, अहमदाबाद में सतेज पाटिल सहित कई नेताओं ने अलग-अलग शहरों में संवाददाताओं को संबोधित किया। गोरोई ने परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं को शिक्षा व्यवस्था की 'बड़ी संस्थागत विफलता' करार देते हुए कहा कि इससे छात्रों का भरोसा टूट गया है।

‘आतंकवादी’ कहे जाने पर राहुल का पलटवार

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'अहंकार में डूबी' मोदी सरकार अब निष्पक्ष परीक्षाओं की मांग करने वाले युवाओं को आतंकवादी बता रही है। राहुल ने कहा कि प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए और युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसकी नाकामी से इतने प्रश्नपत्र लोक हुए, जिसके राज में बीस बच्चों ने जान दे दी, वह आज पीड़ित बच्चों और उनकी आवाज उठाने वालों को 'दहशतगर्द' बता रहा है।

चालीस दिन तक चलेगा अभियान

'छात्रों की गुंज' अभियान तीस जून से शुरू होकर अगले चालीस दिनों तक चलेगा। इसके तहत शैक्षणिक संस्थाओं में संपर्क कार्यक्रम, टाउन हॉल बैठकें, नुकड़ संभार, जनसंवाद और पत्र वितरण अभियान चलाए जाएंगे। इस अभियान की पहली कड़ी एक अगस्त को जिला कलेक्ट्रेटों के बाहर प्रदर्शनों के साथ समाप्त होगी और नौ अगस्त को 'दिल्ली चलो' मार्च के साथ इसका समापन होगा।

अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब युवाओं को आतंकवादी कह रही है : राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के एक बयान को लेकर गुरुवार को आरोप लगाया कि 'अहंकार में डूबी' मोदी सरकार अब निष्पक्ष परीक्षाओं की मांग करने वाले युवाओं को आतंकवादी बता रही है। उन्होंने कहा कि प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए और युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। प्रधान ने हाल ही में नीट-यूजी पेपर लोक और अन्य परीक्षाओं से जुड़े विवादों के बीच 'कॉकोरोच जनता पार्टी' (कांजपा) के प्रदर्शनकारियों को 'दहशतगर्दों की बी-टीएम' कहा था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब इस मुकाम पर पहुंच गई है कि अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग करने वाले छात्रों को ही शिक्षा मंत्री 'आतंकवादी' कह रहे हैं।



■ उन्होंने कहा कि जरा सोचिए, कि जिसकी नाकामी से इतने पेपर लोक हुए, जिसके राज में 20 बच्चों ने जान दे दी, जिसने करोड़ों युवाओं का भविष्य अधेरे में धकेल दिया, वह आज पीड़ित बच्चों और उनकी आवाज उठाने वालों को 'दहशतगर्द' बता रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि अन्नदाता किसानों को 'आंदोलनजीवी और परजीवी' कहा गया तथा स्वावल पूछने वाले को 'राष्ट्र विरोधी' कहा गया। राहुल गांधी ने दावा किया कि अब युवाओं को 'दहशतगर्द' कहा जा रहा है। जो भी सरकार से सवाल पूछे, उसे देशद्रोही बता दे, यही इनकी पूरी राजनीति है। उन्होंने कहा कि धर्मेन्द्र प्रधान जी, देश के करोड़ों युवाओं से तुरंत माफी मांगिए और अपनी नाकामियों के लिए इस्तीफा दीजिए। और रही मेरी बात, तो आप मुझ पर जितने चाहें, हमले कर लीजिए। मैंने कोटा में कहा था कि और फिर कहता हूँ कि यह शिक्षा व्यवस्था आज सिर्फ एक बप्सुली तंत्र बन गई है। मैं इसे ऐसे ही नहीं रहने दूंगा। राहुल गांधी ने कहा कि हल नच्यो को सस्ती, अच्छी शिक्षा और निष्पक्ष परीक्षा मिले, इस आवाज को उठाना मैं कभी बंद नहीं करूंगा।

अगर पासपोर्ट नहीं, तो नागरिकता का सबूत क्या है?: कपिल सिब्बल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सरकार ने गुरुवार को साफ किया कि पासपोर्ट को कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं माना गया है। साथ ही कहा कि न तो हाल ही में और न ही पिछले 12 सालों में ऐसा कोई फैसला लिया गया है। इस स्पष्टीकरण में पासपोर्ट एक्ट, 1967 की धारा 20 का जिक्र किया गया है, जिसमें गैर-नागरिकों को पासपोर्ट जारी करने का प्रावधान है। एक्ट की धारा 20 में कहा गया है कि पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी करने से संबंधित पिछले प्रावधानों में कुछ भी कहा गया हो, फिर भी केंद्र सरकार किसी ऐसे व्यक्ति को पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है या जारी करवा सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है, अगर सरकार की राय में जनहित में ऐसा करना जरूरी हो। सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 2013 के उन फैसलों की ओर भी इशारा किया जिनमें यह साफ किया गया था कि पासपोर्ट होने से नागरिकता साबित नहीं होती। यह स्पष्टीकरण विदेश मंत्रालय (MEA) द्वारा बुधवार को एक विस्तृत ब्रीफिंग में यह कहे जाने के बाद आया कि भारतीय पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है और इसे नागरिकता का पक्का सबूत नहीं माना जाना चाहिए। इन बयानों के बाद विपक्ष के नेताओं ने केंद्र की आलोचना की।

■ मालवीय ने कहा कि पासपोर्ट एक जरूरी पहचान और यात्रा दस्तावेज है और यह नागरिकता के दावे का समर्थन कर सकता है, लेकिन नागरिकता संविधान और नागरिकता अधिनियम से मिलती है। पोस्ट में आगे कहा गया कि पासपोर्ट एक्ट, 1967 के तहत, केंद्र सरकार के पास कुछ खास हालात में किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी करने का अधिकार है जो नागरिक नहीं है।

फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत



राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बुधवार को विदेश मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है। पर एक पोस्ट में सिब्बल ने लिखा कि MEA 24 जून, 2026: पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का दस्तावेज। तो फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है? BLO मेरी नागरिकता पर शक कर सकता है, मुझे वोट देने के अधिकार से वंचित कर सकता है, नतीजा: BJP चुनाव जीत जाती है, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है। बीजेपी नेता अभित मालवीय ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने कोई नई पॉलिसी घोषित नहीं की है, बल्कि पहले से तय कानूनी स्थिति को ही दोहराया है। पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भारतीय अदालतों ने बार-बार यह माना है कि पासपोर्ट नागरिकता का पक्का सबूत नहीं है। उन्होंने 2013 के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले और उसके बाद की पुष्टि का हवाला देते हुए कहा कि नागरिकता का निर्धारण नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत योग्यता और सहायक सबूतों के आधार पर किया जाता है।

पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं

पोस्ट में लिखा था कि विदेश मंत्रालय के इस बयान पर कि पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं है, 'कामज नहीं दिखाएंगे' वाले गुप्त के गुरसे के बीच, यहां असंतोष बताई जा रही है। विदेश मंत्रालय ने सच बोर्ड पॉलिसी घोषित नहीं की है। उसने बस पहले से तय कानूनी स्थिति को दोहराया है। भारतीय अदालतों ने बार-बार माना है कि पासपोर्ट नागरिकता का पक्का सबूत नहीं है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2013 में यह साफ कर दिया था और बाद में भी इस सिद्धांत की पुष्टि की थी: नागरिकता का निर्धारण नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत योग्यता और सहायक सबूतों के आधार पर होता है, न कि सिर्फ एक दस्तावेज होने से। भारत में, नागरिकता कई रिकॉर्ड्स के आधार पर तय होती है, जिनमें जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता की नागरिकता के रिकॉर्ड (जहां लागू हो), स्कूल रिकॉर्ड, वोटर लिस्ट में नाम, सरकारी सेवा रिकॉर्ड, जमीन और घर के रिकॉर्ड, पासपोर्ट और दूसरे सरकारी दस्तावेज शामिल हैं। कानूनी स्थिति भी बिल्कुल साफ है।

भारत ने 24 जून, 1967 को पासपोर्ट अधिनियम लागू होने की याद में 14वां पासपोर्ट सेवा दिवस मनाया। पिछले हफ्ते, विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के लागू होने और पासपोर्ट सेवा दिवस के जश्न के हिस्से के तौर पर, नई दिल्ली में सुष्मा स्वराज भवन (SSB) में 17-19 जून, 2026 तक तीन दिवसीय वार्षिक क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारियों (RPO) के सम्मेलन का आयोजन किया।

हिंद महासागर में भारत का दांव, पीएम मोदी 27 से सेशेल्स दौरे पर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। सेशेल्स के राष्ट्रपति डा. पैट्रिक हमिनी के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 2015 के बाद पीएम मोदी की यह पहली सेशेल्स यात्रा है, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो जहाज भी समारोह में भाग लेंगे।

रणनीतिक साझेदारी को मजबूती

इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी राष्ट्रपति हमिनी के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। समुद्री सुरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था, रक्षा सहयोग और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में नई पहल की संभावना है। हिंद महासागर क्षेत्र में एक प्रमुख समुद्री पड़ोसी के रूप में सेशेल्स भारत की महासागर (म्युचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एफ़ोर्स रीजंस) विजन और ग्लोबल साउथ के प्रति प्रतिबद्धता में खास स्थान रखता है।

भारतीय समुदाय से मुलाकात और संसद को संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी इस दौरे पर सेशेल्स की राष्ट्रीय विधानसभा को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों से मुलाकात करेंगे। भारत ने फरवरी 2026 में ही सेशेल्स के लिए 17.5 करोड़ डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें सामाजिक आवास, ई-मोबिलिटी, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस यात्रा से भारत और सेशेल्स के बीच लंबे समय से चली आ रही मजबूत दोस्ती को और मजबूती मिलेगी और सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता भी रेखांकित होगी।



जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को हालात को समझकर सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए, अन्यथा स्थिति और बिगड़ सकती है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप पर बोलते हुए गहलोत ने कहा कि राजनीति में बिना तथ्यों के आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास तथ्य हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का नाम लेते हुए कहा कि वे वर्षों से लगातार आरोप लगाते और आंदोलन करते रहे हैं। यह उनकी कार्यशैली का हिस्सा रहा है।

■ जोधपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां अव्यवस्था और अफरातफरी का माहौल है। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में भी जनता सरकार के कामकाज से नाखुश है और स्थिति मुख्यमंत्री के नियंत्रण से बाहर होती जा रही है।

■ गहलोत ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर लगाए गए आरोपों को लेकर पार्टी के भीतर भी आश्चर्य की स्थिति है। उन्होंने कहा कि बिना पर्याप्त तथ्यों के इस तरह के आरोप लगाना किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने का प्रयास माना जा सकता है। उन्होंने किरोड़ी लाल मीणा से अपनी कार्यप्रणाली पर पुनर्विचार करने की सलाह भी दी। पूर्व मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एसीबी पर सरकार और मुख्यमंत्री कार्यालय का दबाव है। गहलोत ने दावा किया कि जांच एजेंसियों के अधिकारियों पर ऊपर से दबाव डाला जा रहा है, जिससे निष्पक्ष जांच प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसी रिपोर्टें आती रहती हैं जिनसे पता चलता है कि कई अधिकारी मौजूदा व्यवस्था से असंतुष्ट हैं।



■ यह वीडियो नवीन द्वारा सोशल मीडिया पर इन दोनों ही गतिविधियों में कंपरेजन करते हुए पोस्ट किया गया जो वायरल हो गया। हालांकि, बताया जा रहा है कि बाद में इस युवक को झुंझुनू पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। इस बारे में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आकर लिखा

है कि आरएसएस की असलियत बताने वाला यह वीडियो पोस्ट करना अगर अपराध है, तो हां, मैं भी यह अपराध कर रहा हूँ। भजनलाल शर्मा जी, भेज दीजिए पुलिस, करवा लीजिए गिरफ्तार। नफरत और विभाजन की राजनीति के मुकामले खेल, शिक्षा और देश निर्माण की बात करना अगर अपराध है, तो हम यह अपराध बार-बार करेंगे।

सरकारी स्कूलों में विकसित होंगी आधुनिक सुविधाएं : सीएम रेखा गुप्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि राजधानी के सरकारी स्कूलों को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं से लैस बनाने के उद्देश्य से 75 सीएम श्री स्कूलों में व्यापक मरम्मत, सुधार और नयी सुविधाएं विकसित की जायेंगी। हाल में हुई व्यय वित्त समिति की बैठक में इसकी लिपि लागू मना 264 करोड़ 90 लाख 88 हजार रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गयी है। केवल स्कूल भवनों की मरम्मत कराना नहीं, बल्कि ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करना है, जहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ, आधुनिक और प्रेरणादायक परिसर मिलें। भवनों में सीलन और नमी को समस्या दूर करने, वाटरप्रूफिंग, आंतरिक एवं बाहरी पेंटिंग, प्लास्टर की मरम्मत, बाउंड्री वॉल एवं फेंसिंग का निर्माण अथवा मरम्मत, शौचालयों में सुधार, पेयजल सुविधा में सुधार, सीवर एवं ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने, आवश्यकता के अनुरूप खेल सुविधाओं का विकास, रैन वॉटर हार्वीट्रेंज सिस्टम की मरम्मत, मल्टीपरपज हॉल का नवीनीकरण और आवश्यकता अनुसार अन्य मरम्मत कार्य किए जाएंगे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद बड़ा एक्शन... 71 इमारतें सील, 83 को नोटिस

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लखनऊ के अलौगंज सेक्टर-डी में हुए अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया। हादसे के बाद प्रशासन हरकत में आया और अब एलडीए शहरभर में फायर सेप्टी की जांच कर रहा है। नतीजा क्या निकला? 71 कमर्शियल बिल्डिंग सील, 83 भवन मालिकों को नोटिस और दर्जनों जगहों पर नियमों की ध्वजियां उड़ती मिलीं। हजरतगंज के एक कोचिंग संस्थान में जब जांच टीम पहुंची तो वहां मौजूद बच्चों ने ऐसी बात कही, जिसने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए। उनका कहना था कि एडमिशन के वक्त उन्हें फायर सेप्टी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। मोटी फीस, कोर्स, रिजल्ट और सुविधाओं की बात हुई, लेकिन अगर आग लग जाए तो बाहर कैसे निकलना है, इमरजेंसी एग्जिट कहाँ है, इसकी जानकारी किसी ने नहीं दी। दूसरी तरफ कोचिंग प्रबंधन का दावा था कि वे सभी सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हैं। अब सवाल ये है कि अगर सुरक्षा व्यवस्था इतनी मजबूत थी तो छात्रों को उसकी जानकारी क्यों नहीं थी? कार्रवाई की आंच हजरतगंज के हलवासिया कोर्ट तक पहुंची। यहां एक बिल्डिंग में चल रहे दो कोचिंग संस्थानों पर एलडीए ने ताला जड़ दिया। एलडीए का कहना है कि जिस भवन को ऑफिस इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिली थी, उसमें कोचिंग नहीं चलाई जा सकती। यानी नियम कुछ और कहते थे, लेकिन जमीन पर हो कुछ और रहा था। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी,

गोल्डन आई मार्केट कॉम्प्लेक्स के नौवां फ्लोर पर लगी आग

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गोल्डन आई मॉल स्थित कमर्शियल बिल्डिंग के टी-3 टावर की नौवीं मंजिल पर गुरुरवार को अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर सर्विस की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। शुरूआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 25 जून को थाना बिसरख क्षेत्र के अंतर्गत एक कॉम्प्लेक्स के पीछे स्थित ऑफिस में आग लगने की जानकारी मिलने पर जल्द कार्रवाई करते हुए फायर सर्विस की 05 यूनिट मौके पर रवाना की गई। आग शॉर्ट सर्किट की वजह से बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर लगी थी। फायर सर्विस की टीम द्वारा आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया। कोई जनहानि नहीं हुई है।

सहारनपुर में पति-पत्नी और दो बेटे चला रहे थे जहरीली शराब की फैक्ट्री

यूरिया से कर रहे थे तैयार पांच लोग अरेस्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के थाना बड़गांव पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसमें पूरा परिवार ही शामिल था। पुलिस ने पिता, मां और दो बेटों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये सभी मिलकर घर के अंदर जानलेवा केमिकल से कच्ची शराब तैयार कर रहे थे। मौके से भारी मात्रा में अवैध शराब, लहन और शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। सहारनपुर में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई। पुलिस ने बड़गांव के सार्वखंडी गांव में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने शेख उर्फ शेर सिंह, उसकी पत्नी मीना, बेटे अंकित और अमृत को गिरफ्तार किया। इनके अलावा गांव की ही रहने वाली सनिता पत्नी राजू को भी मौके से गिरफ्तार किया गया है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे टोल एग्रीमेंट में गड़बड़ी! 333 करोड़ के एग्रीमेंट पर सिर्फ 100 रुपये का स्टाम्प

13.34 करोड़ की चोरी का केस दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ बुंदेलखंड

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जुड़ा एक बड़ा वित्तीय मामला सामने आया है। आरोप है कि टोल वसूली के लिए हुए करोड़ों रुपये के एग्रीमेंट में सरकार को भारी राजस्व नुकसान पहुंचाया गया। जांच में खुलासा हुआ कि 333.65 करोड़ रुपये के टोल एग्रीमेंट पर महज 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर एग्रीमेंट कर दिया गया। दरअसल, इस मामले का खुलासा विभागीय जांच के दौरान हुआ। जांच के बाद डीआईजी स्टाम्प ने 13 करोड़ 34 लाख रुपये से अधिक की स्टाम्प चोरी का मामला दर्ज कराया है। इसके साथ ही संबंधित पक्षों से बकाया स्टाम्प शुल्क की वसूली की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मामला सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना अधिकारियों की मिलीभगत के इतने बड़े एग्रीमेंट को इतने कम कीमत के स्टाम्प पर निष्पादित करना संभव नहीं था।

333.65 करोड़ के अनुबंध पर सिर्फ 100 रुपये का स्टाम्प

जानकारी के मुताबिक, 10 अक्टूबर 2024 को यूपीडा ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली का अधिकार एक निजी कंपनी को दो वर्षों के लिए लीज पर दिया था। इस एग्रीमेंट की कुल कीमत 333 करोड़ 65 लाख रुपये बताई गई है। नियमों के अनुसार, इस तरह के एग्रीमेंट पर निर्धारित दर के हिसाब से करीब 4 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क देय था। विभाग का दावा है कि इस एग्रीमेंट पर 13 करोड़ 34 लाख रुपये का स्टाम्प शुल्क जमा होना चाहिए था। लेकिन जांच में सामने आया कि पूरे अनुबंध को केवल 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर निष्पादित कर दिया गया। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। डीआईजी स्टाम्प रईस अहमद ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद विभाग ने पहले संबंधित अधिकारियों और टोल कंपनी से दस्तावेज मांगे। शासन स्तर तक पत्राचार भी किया गया, लेकिन लंबे समय तक एग्रीमेंट उपलब्ध नहीं कराया गया।लंबे बाद में जब विभाग को एग्रीमेंट की प्रति मिली तो उसकी जांच में स्टाम्प शुल्क की भारी अनियमितता सामने आई। इसके बाद एआईजी स्टाम्प की अदालत में स्टाम्प चोरी का वाद दर्ज कराया गया।



एक निजी कंपनी को टोल वसूली के लिए लीज पर दिया गया था। इस एग्रीमेंट की कुल कीमत 333 करोड़ 65 लाख रुपये बताई गई है।

कटिया के भरोसे 10 हजार की आबादी

लगभग 15 साल पुरानी कनावनी डूब कॉलोनी में आज 10 हजार से अधिक लोग रह रहे हैं। एनजीटी के आदेश के बाद यहां सरकारी विकास कार्यों पर रोक है। हालात ये हैं कि इतनी बड़ी आबादी पर सिर्फ दो ट्रांसफार्मर हैं और लोग बिजली चोरी (कटिया डालकर) करने को मजबूर हैं। स्थानीय पीड़ितों का कहना है कि प्रशासन को बेकसूर खरीदारों के बजाय करोड़ों कमाने वाले भूमिपूिया पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।



ग्रेटर नोएडा: 50 से अधिक गांवों के डूब क्षेत्र में धड़ल्ले से प्लॉटिंग

ग्रेटर नोएडा के तहत आने वाले सदर और दादरी तहसील के 50 से अधिक गांवों का डूब क्षेत्र इस समय अवैध निर्माण की चपेट में है। यहां नियमों को ताक पर रखकर अवैध होटल, हॉस्टल, दुकानें और प्लॉटिंग का धंधा चल रहा है।

अयोध्या के बाद अब विंध्याचल मंदिर के चढ़ावे पर सवाल

सोने-चांदी के आभूषणों के हिसाब पर मांगा जवाब

हिंदमाता नेटवर्क @ विंध्याचल

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे चोरी से जुड़े मामले की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई है कि अब यूपी के मिजापूर स्थित विश्व प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी धाम में दान में मिलने वाले सोने-चांदी के आभूषणों के रिकॉर्ड को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। यह सवाल किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि वर्षों तक मंदिर व्यवस्था से जुड़े रहे श्री विंध्य पंडा समाज के पूर्व पदाधिकारी ने उठाए हैं। उनका दावा है कि मंदिर के दान पात्रों में मिलने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की न तो नियमित जांच होती है और न ही उनका वितरुत विवरण सार्वजनिक किया जाता है। ऐसे में श्रद्धालुओं के मन में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। मां विंध्यवासिनी धाम देश के सबसे प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल है। हर दिन हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। नवरात्र और विशेष पर्वों पर यह संख्या लाखों तक पहुंच जाती है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और



मनोकामनाओं के अनुसार नकद धनराशि, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती वस्तुएं दान करते हैं। मंदिर परिसर के साथ-साथ कालीखोह और अष्टभुजा मंदिर में कुल 22 दान पात्र रखे गए हैं। इसके अलावा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए जगह-जगह क्यूआर कोड भी लगाए गए हैं, ताकि भक्त आसानी से दान कर सकें। दान पात्रों को हर तीन से चार महीने के अंतराल पर खोला जाता है और दान की गणना की जाती है। यह प्रक्रिया प्रशासनिक निगरानी में संपन्न होती है। लेकिन इसी व्यवस्था को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं।

'पीली और सफेद धातु' लिखकर रख दिए जाते हैं आभूषण !

श्री विंध्य पंडा समाज के पूर्व अध्यक्ष राजन पाटक का आरोप है कि दान पात्रों से निकलने वाले सोने और चांदी के आभूषणों का वितरुत रिकॉर्ड तैयार नहीं किया जाता। उनका कहना है कि रजिस्टर में केवल 'पीली धातु' और 'सफेद धातु' के रूप में प्रविष्टि कर दी जाती है। यह दर्ज नहीं किया जाता कि आभूषण क्या था, उसका वजन कितना था और उसकी अनुमानित कीमत क्या थी। राजन पाटक के मुताबिक, यदि कोई श्रद्धालु आभूषण दान करता है तो उसका पुरा विवरण दर्ज होना चाहिए। इससे न केवल रिकॉर्ड मजबूत होगा, बल्कि श्रद्धालुओं का भरोसा भी बढ़ेगा।

1982 से व्यवस्था, लेकिन स्टॉक रजिस्टर नहीं ?

राजन पाटक का दावा है कि वर्ष 1982 से विंध्य विकास परिषद मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन कर रही है, लेकिन आज तक आभूषणों के लिए व्यवस्थित स्टॉकबुक या सार्वजनिक इन्वेंट्री सिस्टम विकसित नहीं किया गया। उनका कहना है कि दान की गणना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया न होकर सार्वजनिक भरोसे का विषय भी है। यदि दान में मांग वस्तुओं का पुरा रिकॉर्ड उपलब्ध होगा तो भविष्य में किसी भी तरह के विवाद या संदेह की गुंजाइश नहीं बचेगी। उन्होंने मांग की है कि दान पात्रों से निकलने वाले धन और आभूषणों को गणना के दौरान सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाए और उनकी सूची तैयार कर निम्नलिखित रूप से प्रकाशित की जाए।

आखिर कितना आता है दान?

मंदिर प्रशासन के अनुसार, विंध्याचल, कालीखोह और अष्टभुजा मंदिर में रखे गए कुल 22 दान पात्रों से साल भर में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त होती है। हालांकि सोने-चांदी के आभूषणों की मात्रा को लेकर प्रशासन का कहना है कि उनकी संख्या बहुत अधिक नहीं होती। जो भी आभूषण प्राप्त होते हैं, उन्हें सुरक्षित रूप से डबल लॉकर सिस्टम में रखा जाता है। यहीं से बहस शुरू होती है। श्री विंध्य पंडा समाज के पूर्व अध्यक्ष राजन पाटक कहना है कि आभूषण कम हो या ज्यादा, उनका पुरा रिकॉर्ड होना चाहिए। वहीं प्रशासन का कहना है कि पूरी प्रक्रिया नियमों के तहत संचालित होती है और सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया जाता है।

अतीक से अदावत, सपा से बगावत और अब बीजेपी की लिस्ट में आ गई पूजा पाल

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में एक चर्चित नाम समाजवादी पार्टी की बागी नेता पूजा पाल का है। पूजा पाल को यूपी बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूजा पाल को पिछले साल समाजवादी पार्टी से निकाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री की तारीफ की थी। पार्टी से निकाले जाने के कुछ वक्त बाद उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात भी की थी। प्रयागराज का प्रतिनिधित्व करने वाली पाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों और गंभीर अनुशासनहीनता के आरोप में समाजवादी पार्टी से निकाल दिया गया था।



पूजा पाल कौन हैं ?

पूजा पाल, बीएसपी के पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं। राजू पाल की हत्या उनकी शादी के सिर्फ 10 दिन बाद ही कर दी गई थी। राजू पाल की हत्या का आरोप माफिया डॉन अतीक अहमद के भाई अशराफ पर लगा था। बीएसपी ने पूजा पाल को इलाहाबाद शहर की पश्चिमी सीट पर हुए उपनुाव में अतीक अहमद के भाई अशराफ के खिलाफ मैदान में उतारा था, लेकिन वह हार गई थी।

अतीक अहमद से पूजा पाल की अदावत क्यों?

पूजा पाल को समाजवादी पार्टी से तब निकाला गया, जब उन्होंने पूर्व सांसद और विधायक अतीक अहमद के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की सख्त कार्रवाई की सार्वजनिक रूप से तारीफ की थी। पूजा ने अतीक अहमद पर ही अपने पति राजू पाल की हत्या का आरोप लगाया था। यह हत्या उनकी शादी के महज नौ दिन बाद ही कर दी गई थी।

पहले डीएसपी फिर दूल्हा बने तेज गेंदबाज आकाशदीप

5 स्टार होटल में अक्षिता संग लिए सात फेरे

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज आकाशदीप ने अपनी जिंदगी की एक नई और बेहद खूबसूरत पारी की शुरुआत कर दी है। बुधवार को काशी की पवित्र और ऐतिहासिक धरती पर आकाशदीप अपनी मंगेतर अक्षिता राज के साथ विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। वाराणसी के नंदेसर स्थित फाइव स्टार होटल ताज गंगेज में आयोजित किया गया यह शाही मांगलिक विवाह समारोह पूरी तरह से परंपराओं और आधुनिक भव्यता का एक अनूठा संगम रहा। आकाशदीप शाव करीब साढ़े सात बजे बिहार से बारात लेकर होटल पहुंचे थे।



डीएसपी बनने के ठीक 4 दिन बाद रचाई शादी

आपको बता दें कि आकाशदीप और अक्षिता राज दोनों ही बिहार के सासाराम के रहने वाले हैं। इस शादी की खास बात यह रही कि शादी से ठीक चार दिन पहले यानी 19 जून 2026 को ही बिहार सरकार ने आकाशदीप को खेल कोटे से डीएसपी का महत्वपूर्ण पद दिया था। इस तरह खिलाड़ी के घर में एक साथ दोहरी खुशियां आईं। इस हाई-प्रोफाइल शादी में मेहमानों के खाने-पीने का भी शाही इंतजाम था, जहां परोसी गई प्रत्येक थाली की कीमत करीब 4500 रुपये बताई जा रही है।

शॉर्ट स्टोरी

किन्नर से प्यार, फिर कोर्ट मैरिज और 3 साल बाद शादी

हिंदमाता नेटवर्क @ बेगूसराय

'जोड़ियां ऊपर वाला बनाकर भेजता है' यह कहावत बिहार के



बेगूसराय जिले की एक अनोखी प्रेम कहानी पर एक बार फिर सच होती नजर आ रही है। यहां एक सरकारी शिक्षक के बेटे को एक किन्नर युवती से प्यार हुआ। परिवार और समाज के विरोध के बावजूद दोनों ने पहले कोर्ट मैरिज की। बाद में जब दोनों परिवारों ने उनके रिश्ते को स्वीकार कर लिया तो पूरे रीति-रिवाज और भारत के साथ धूमधाम से शादी काई गई। अब इस शादी का फोटो तेजी से वायरल हो रहा है। फोटो सामने आने के बाद बड़ी संख्या में लोग इस जोड़े की सराहना कर रहे हैं। कई लोग इसे प्यार, विश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता की मिसाल बता रहे हैं। दरअसल, यह मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र के संजात गांव का है। यहां सरकारी शिक्षक अर्जुन ठाकुर के बेटे विकास ठाकुर की प्रेम कहानी अब चर्चा का विषय बनी हुई है। विकास पेशे से नृत्य मंडली में काम करता है। विकास ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2022 में वह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के रिलीसिले में मंडौल गया था। वहीं उसकी मुलाकात धनश्याम सहनी की किन्नर पुत्री सुशीला कुमारी से हुई। पहली मुलाकात के दौरान दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर लिया और बातचीत शुरू हो गई। विकास का कमला गांव में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां अवसर आना-जाना होता था। इसी दौरान दोनों की मुलाकातें बढ़ती गईं। फोन पर लगातार बातचीत होती रही और धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती गहरे रिश्ते में बदल गई।

भरत ने पिस्टल फेंक दी थी, फिर क्यों मारी गोली? परिजनों का सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ भोजपुर



बिहार के भोजपुर में 28 साल के भरत तिवारी का एनकाउंटर कर दिया गया था। इस घटना को अब आठ दिन बीत चुके हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रदेश में सनसनी फैला दी थी। अब भोजपुर के एसपी भरत के परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे। इस दौरान एसपी से परिजनों का सवाल था कि जब भरत ने सरेंडर कर दिया था, फिर उसे गोली क्यों मारी गई। भरत की हत्या की गई है। इस मुलाकात के दौरान एसपी ने भरत के परिजनों को मामले की निष्पक्ष जांच और सुरक्षा का भरोसा दिया है। दरअसल, भरत का एनकाउंटर बीते 17 जून को कर दिया गया था। इस घटना के बाद भरत के परिजनों का आरोप था कि भरत की हत्या की गई है। परिजनों ने ये भी कहा था कि पुलिस घर आई थी और बेटे को मारने की धमकी भी दी गई थी। भरत की मां का कहना था कि भरत बीएसपी कर चुका था। उन्होंने बताया कि भरत नौकरी के लिए तैयारी कर रहा था। इसी बीच वह समाजसेवा से जुड़ गया था। गांव के बाढ़ पीड़ित लोगों के हक में आवाज उठा रहा था। वो उनके विस्थापन की मांग कर रहा था, लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही थी। इस दौरान उसने हथियार उठा लिया था। परिवार का कहना था कि भरत जैनेनिया गांव के विस्थापितों को फिर से बसाए जाने की मांग कर रहा था, लेकिन उसकी बात किसी अधिकारी या सरकार ने नहीं सुनी। 17 जून को उसे गोली मार दी गई। परिवार के लोग इसे हत्या का आरोप लगा रहे हैं। इस मामले में पुलिस कर्मचारियों पर केस दर्ज हो चुका है। इस पूरे घटनाक्रम के आठ दिन बाद भोजपुर के पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज भरत के घर परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान आरा सदर एसडीओ-2 रंजीत सिंह, डीएसपी पंकज मिश्रा समेत कई पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। भरत के भाई ने एसपी से सवाल किया कि जब भरत ने पिस्टल फेंक दी थी, तो फिर उसे गोली क्यों मारी गई? मुलाकात के दौरान परिजनों ने भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर कई गंभीर सवाल एसपी से किए।

रौशन आनंद के सहयोगी अभिषेक और गौरव को कोर्ट से मिली जमानत

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



पटना सिविल कोर्ट में मुसलमानुर कोचिंग के विवाद के मामले में फैजल खान की बेल पर सुनवाई नहीं हुई। फैजल खान उर्फ खान सर के मामलों में अपडेट केस डायरी की मांग की गई है। अगली सुनवाई 27 जून को होगी। वहीं रौशन आनंद पक्ष के दोनों अभिषेक और गौरव के मामले में कोर्ट ने दोनों को बड़ी राहत दी है। दोनों की जमानत याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उन्हें राहत दी है। फैजल खान के वकील अरविंद कुमार महुआर ने कहा कि बेल पर आज सुनवाई नहीं हुई। अगली सुनवाई शनिवार 27 जून को होगी। अपडेट केस डायरी की मांग की गई है। फैजल खान के बॉडीगार्ड और टकराव से जुड़ा है। इसी मामले में फैजल खान का नाम भी सामने आया, जिसके बाद कानूनी कार्रवाई शुरू हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ किया कि मामले की जांच से जुड़े दस्तावेज और केस डायरी पेश किए जाएं। इसलिए पुलिस को केस डायरी उपलब्ध कराने की निर्देश दिया गया है। जहां एक तरफ फैजल खान के मामले में सुनवाई आगे बढ़ी, वहीं दूसरी तरफ ज्ञान बिंदु एकेमी के निदेशक रौशन आनंद के सहयोगी अभिषेक व गौरव को अदालत से राहत मिल गई। पटना के कोचिंग सेक्टर में यह मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि शहर देश के बड़े शिक्षा केंद्रों में गिना जाता है। हजारों छात्र हर साल यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। दरअसल, केबीएस और ज्ञान बिंदु एकेमी के बीच हुए विवाद के बाद यह मामला सुर्खियों में आया था। आरोप है कि विवाद के दौरान फैजल खान के गाइर्स की ओर से फायरिंग की गई थी। इसको लेकर पटना के कदमकुआं थाने में केस दर्ज हुआ था, जिसमें फैजल खान को भी आरोपी बनाया गया था।

होर्मुज स्ट्रेट से निकले 30 भारतीय जहाज, लेकर आ रहे तेल-गैस और फर्टिलाइजर

20 से ज्यादा कतार में

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच हालिया समझौते के बाद दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज स्ट्रेट में हालात सामान्य होते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब तक भारत से जुड़े 30 जहाज इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को सुरक्षित रूप से पार कर चुके हैं, जबकि 26 अन्य जहाज अभी भी खाड़ी क्षेत्र में क्रासिंग का इंतजार कर रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट पार करने वाले 30 जहाजों में से लगभग आधे एलपीजी और एलएनजी जैसे ऊर्जा उत्पाद लेकर चल रहे थे।

इसके अलावा आठ जहाज ब्लक कार्गो और सात जहाज कच्चे तेल की खेप लेकर भारत की ओर बढ़े हैं। इन 30 जहाजों में 17 विदेशी झंडे वाले पोत भी शामिल हैं, जिनमें सबसे ज्यादा पांच जहाज मार्शल आइलैंड्स के ध्वज तले संचालित हो रहे हैं। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि, फिलहाल फारस की खाड़ी में मौजूद 26 भारत-हित वाले जहाजों में तीन ऊर्जा उत्पाद, 10 उर्वरक और 13 अन्य तरह का माल लेकर चल रहे हैं। इन जहाजों के सुरक्षित पार होने का इंतजार किया जा रहा है।



भारतीय जहाज ने लगातार होर्मुज किया पार

मार्च 1 से 17 जून के बीच कुल 19 जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट पार किया था। लेकिन पिछले सप्ताह ईरान और अमेरिका के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर होने के बाद सिर्फ कुछ दिनों में 11 और जहाज सुरक्षित रूप से इस मार्ग से गुजर चुके हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि समुद्री गतिविधियाँ धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस की सप्लाई इसी रास्ते से होती है।

होर्मुज बंद होने से तेल की बढ़ी थी कीमतें

पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को बंद किए जाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी। तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और समुद्री शिपिंग प्रभावित हुई। हालांकि अब रिफ्टजरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान वार्ता और संघर्ष विराम की कोशिशों के बीच बाजार में

राहत के संकेत दिखाई देने लगे हैं। समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, जो फरवरी के आखिर के बाद सबसे ऊँचे स्तर पर पहुँच गई है। इसी के साथ अमेरिकी तेल की कीमतें भी युद्ध शुरू होने के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं।

बांग्लादेशी नागरिकों के लिए ट्रिस्ट वीजा फिर शुरू करेगा भारत

28 जून से कर सकेंगे आवेदन

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका में अपना पदभार संभालने के साथ ही, बांग्लादेशी नागरिकों के लिए ट्रैवल वीजा फिर से शुरू करने की घोषणा की



है। भारतीय जनता पार्टी के 76 वर्षीय नेता दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपने क्रेडेंशियल सौंपे और औपचारिक रूप से अपना राजनयिक काम शुरू किया। त्रिवेदी, जिन्हें 27 अप्रैल को बांग्लादेश में दूत नियुक्त किया गया था, वे इस पद पर काम करने वाले पहले राजनेता हैं। वहीं, बंगभवन राष्ट्रपति महल के एक प्रवक्ता ने कहा, भारत के नए हाई कमिश्नर ने राष्ट्रपति को अपने क्रेडेंशियल सौंपे हैं और ढाका में अपना राजनयिक काम शुरू किया है। प्रवक्ता ने बताया कि अपने राजनयिक कागजात सौंपने से पहले प्रेसिडेंट गार्ड रोजिमेंट की एक टुकड़ी ने त्रिवेदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। समारोह के तुरंत बाद, त्रिवेदी राजधानी में भारतीय वीजा केंद्र में पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए, जहां उन्होंने ट्रैवल वीजा फिर से शुरू करने की घोषणा की। बता दें, वे वीजा लगभग दो साल पहले सुरक्षा स्थिति विगड़ने और मुहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान नई दिल्ली के साथ संबंध खराब होने के कारण रोक दिए गए थे। त्रिवेदी ने कहा, मुझे खुशी है कि मैं सामान्य ट्रैवल वीजा फिर से शुरू करने की घोषणा कर पा रहा हूँ। वीजा के लिए आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वीजा सभी 5 केंद्रों ढाका, राजशाही, चट्टोग्राम, सिलहट और खुलना से जारी किए जाएंगे और भविष्य में इस प्रक्रिया का और विस्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मानवीय आधार पर जरूरी मेडिकल वीजा जारी किए जाते रहेंगे। त्रिवेदी 12 जून को बांग्लादेश पहुंचे थे। भारत ने बुधवार को गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन के जरिए त्रिवेदी को केंद्रीय मंत्री का दर्जा दिया।

पांच शहरों से मिलेगी वीजा सुविधा

ढाका स्थित इंडियन वीजा एप्लिकेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में त्रिवेदी ने कहा कि पर्यटक वीजा के आवेदन ढाका, राजशाही, चिटगांव, सिलहट और खुलना स्थित केंद्रों से स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इस व्यवस्था का और विस्तार किया जाएगा।

सिंगापुर में 400 से ज्यादा कर्मचारियों की सैलरी रुकी, हाई कमीशन ने की मदद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सिंगापुर में काम करने गए 400 से ज्यादा भारतीय और बांग्लादेशी मजदूरों के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एसके इंडस्ट्रीज, केपीए इंजीनियरिंग और वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग नाम की तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को बिना वेतन के छोड़ दिया है। इन सभी कंपनियों ने मजदूरों को न तो उनकी महानों की मेहनत की सैलरी दी है और न ही रहने के लिए कोई उचित जगह दी है। इस घटना के सामने आने के बाद भारतीय हाई कमीशन ने तत्काल प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की मदद शुरू कर दी है। भारतीय हाई कमीशन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस और 'मिनिस्ट्री ऑफ मैनेज्मर' के साथ मिलकर इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों कंपनियों के एक कॉर्पोरेट डायरेक्टर की पहचान भारतीय नागरिक रामू पलानी वेलु के रूप में पूरी तरह से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सिंगापुर का यह स्थायी निवासी डायरेक्टर रामू सभी कर्मचारियों के पैसे हड़प कर देश छोड़कर कहीं भाग गया है। सरकार अब इन कंपनियों के पुराने रिकॉर्ड और सभी अहम दस्तावेजों की बहुत ही गहराई के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।



मजदूरों को दी जा रही मदद

सिंगापुर में फंसे इन सभी मजदूरों की तत्काल मदद के लिए संबंधित अधिकारियों ने बुधवार को उनसे मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मजदूरों को राहत देने के लिए एसजीडी 200 नकद और सुपरमार्केट से सामान खरीदने के लिए विशेष शॉपिंग वाउचर भी तुरंत दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रशासन उनके रहने के लिए दूसरी सुरक्षित जगह का इंतजाम कर रहा है और उन्हें नई नौकरी दिलाने की कोशिशें भी जारी हैं।

कंपनियों का पुराना इतिहास

जांच में यह साफ पता चला है कि रामू ने साल 2014 में अपना पहला बिजनेस केपीए इंजीनियरिंग शुरू किया था जिसकी कैपिटल एसजीडी 1 मिलियन थी। इसके बाद 2019 में उसने एसजीडी 100,000 की कैपिटल के साथ कम्पर्ट एयर इंजीनियरिंग नाम की एक और नई कंपनी शुरू की थी। साल 2023 में उसने एसजीडी200,000 की भारी कैपिटल के साथ एसके इंडस्ट्रीज रजिस्टर की और 2025 में वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग का कामकाज संभाला।

पीओके में प्रदर्शन दबाने के लिए पाक सेना का जुल्म

दूध और दवाओं की सप्लाई पर लगाई रोक, गंभीर संकट में स्थानीय लोग

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आम जनता और सरकार के बीच भारी तनाव और ज्यादा बढ़ गया है। लोग पिछले दो हफ्ते से सड़कों पर अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर इस बड़े विरोध को हर हाल में दबाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने आम लोगों पर बल प्रयोग किया है और अब जबर्री चीजों की सप्लाई रोक दी गई है। सरकार पर यह बहुत गंभीर आरोप है कि उसने लोगों को झुकाने के लिए दूध, पानी और दवाओं जैसी चीजों की नाकेबंदी कर दी है। स्थानीय ट्रक ड्राइवरों ने बताया है कि जरूरी सामान ले जाने वाले वाहनों को रोक जा रहा है। पाकिस्तानी अधिकारी भले ही नाकेबंदी से साफ इनकार कर रहे हैं लेकिन जमीन पर हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। लोगों का जीना बहुत मुश्किल हो गया है।



आम जीवन पूरी तरह से पटरी से उतरा

जॉइंट अवायि एक्शन कमेटी द्वारा किए गए बड़े शटडाउन के कारण आम लोगों के सामने पहले से ही भारी संकट था। अब पाकिस्तानी सरकार की इस नाकेबंदी की वजह से रोजमर्रा की चीजों की कमी और भी ज्यादा गंभीर हो गई है। ऐसे में पीओके में लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी बहुत ही बुरी तरह से प्रभावित है और सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा है। नीलम जिले के रहने वाले अलिफ दीन ने बताया कि हड़ताल शुरू होने के बाद से आम लोगों को राशन बिल्कुल नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने 15 दिनों से डिपो में पैसे जमा किए हैं लेकिन अभी तक उन्हें उनके हिस्से का जरूरी आटा नहीं दिया गया है।

जापान से क्या सीखे दुनिया? बड़े से बड़े भूकंप से कैसे खुद को बचा लेता है यह देश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत से करीब 15 हजार किलोमीटर दूर वेनेजुएला में कल बुधवार शाम लगातार 2 भीषण भूकंप ने खासी तबाही मचाई है। भूकंप ने बड़े पैमाने पर राजधानी कराकास समेत कई शहरों को नुकसान पहुंचाया है। कई इमारतें तबाह हो गईं। कई जगह सड़कों में बड़ी-बड़ी दरारें देखने को मिल रही हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। हजारों लोगों के भूकंप में मारे जाने की खबर है। वेनेजुएला के साथ ही जापान में भी बड़े स्तर पर भूकंप आया, लेकिन वहां पर किसी जान-माल की खबर नहीं है। वेनेजुएला में इन 7.2 और 7.5 तीव्रता के ताबड़तोड़ 2 भूकंपों ने पूरे क्षेत्र में हलचल मचा दी, इसकी वजह से कई शहरों में इमारतों को खाली कराना पड़ा, इसके झटके 2 हजार किलोमीटर दूर ब्राजील के अमेजन तक महसूस किए गए। देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति डेव्लसी रोड्रिगेज ने देर रात दिए राष्ट्र के नाम अपने संक्षिप्त संबोधन



में कहा कि इन भूकंपों की वजह से कई राज्यों में नुकसान हुआ है, लेकिन नुकसान का विस्तृत आंकड़ा नहीं दिया। लगातार भूकंप का सामना करने वाला छोटा सा देश जापान ने अपने देश में आखिर ऐसा क्या किया, जिससे भारत समेत दुनिया के सभी देशों को सबक लेनी चाहिए।

हिंदमाता एंकर अब तक इबोला से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1,048 तक पहुंच गई है, जिनमें से 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है

फ्रांस में इबोला ने दी दस्तक, कांगो से लौटे डॉक्टर में मिला संक्रमण, डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक आपातकाल

हिंदमाता नेटवर्क @ पेरिस यूरोप में इबोला का पहला मामला जॉनलेवा इबोला वायरस ने अब यूरोप में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने देश में इबोला के पहले मामले की पुष्टि की है, जिससे पूरे महाद्वीप में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। यह मामला एक ऐसे डॉक्टर से जुड़ा है, जो हाल ही में कांगो में एक मानवीय मिशन पूरा करने के बाद फ्रांस लौटा था। संक्रमित पाए जाने के तुरंत बाद, डॉक्टर को एक विशेष आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

मरीज की हालत स्थिर

सीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति पेशे से डॉक्टर है और वह कुछ दिन पहले ही कांगो से लौटा था। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि फिलहाल मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है। राहत की बात यह है कि मंत्रालय ने आम जनता के लिए संक्रमण के खतरे को फिलहाल बहुत कम बताया है, क्योंकि मरीज को लक्षण दिखने के तुरंत बाद ही अलग-थलग कर दिया गया था।

इबोला के खतरनाक आंकड़े

इबोला वायरस वर्तमान में कांगो और युगांडा जैसे अफ्रीकी देशों में तेजी से फैल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में अब तक इबोला से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1,048 तक पहुंच गई है, जिनमें से 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस वायरस की मृत्यु दर लगभग 25.5 प्रतिशत है, जो इसे बेहद घातक बनाती है।



बुंदीबुग्यो स्ट्रेन ने बढ़ाई चिंता

सबसे बड़ी चुनौती इस बार इबोला का बुंदीबुग्यो स्ट्रेन चिंता का मुख्य कारण बना हुआ है। यह इबोला वायरस का एक दुर्लभ और खतरनाक प्रकार है। विशेषज्ञों

का कहना है कि इस विशिष्ट स्ट्रेन के लिए फिलहाल कोई प्रमाणित वैक्सीन या पूरी तरह से प्रभावी इलाज उपलब्ध नहीं है। यह वायरस शरीर में तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त और गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया है। इसके साथ ही, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा के लिए खतरा माना है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों ने दुनिया भर के देशों को हवाई अड्डों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की सख्त सलाह दी है ताकि संक्रमित यात्रियों की समय पर पहचान की जा सके। दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों को वर्तमान में हाई रिस्क जोन में रखा गया है।

बिजनेस वर्ल्ड

नेशनल गारमेंट फेयर को मिला शानदार रिसाॉन्स, किड्सवियर उद्योग को फेस्टिव सीजन में बंपर बिक्री की उम्मीद

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



क्लोदिंग मेन्यूफ़ैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित नेशनल गारमेंट फेयर का 83वां किड्सवियर एडिशन, 22 से 24 जून 2026 तक मुंबई के गोरगांव ईस्ट में स्थित बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित किया गया, जो बेहद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इस दौरान, 14,600 से अधिक व्यापारिक खरीदारों ने एनजीएफ के माध्यम से व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाया। भारत में 22 बिलियन अमेरिकी डॉलर (यानी करीब 2 लाख करोड़ डॉलर) का बच्चों के कपड़ों का बाजार, पूरे कपड़ा उद्योग में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक बनकर उभर रहा है। आबादी में बच्चों की बढ़ी संख्या, लोगों की बढ़ती आमदनी और अच्छे व फैशनबल कपड़ों के लिए ग्राहकों की बदलती पसंद के कारण, इस क्षेत्र में आगे बढ़ने और तरक्की करने के डेरों मीके मौजूद हैं। 2.25 लाख वर्ग फुट से अधिक के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में फैले इस 83वें एनजीएफ किड्सवियर एडिशन में बच्चों के कपड़ों के 630 से भी ज्यादा ब्रांड्स ने हिस्सा लिया। इन ब्रांड्स ने नवजात शिशुओं के कपड़ों (इन्फेन्टवियर), छोटे बच्चों के कपड़ों (टॉडलर्स वियर), किशोरी के कपड़ों (जूनियर्स वियर), त्योहारों और पारंपरिक पहनावों (ऑर्केजन और एथनिक वियर), केजुअल कपड़ों, फैशनबल कपड़ों, एक्सेसरीज और इनसे जुड़ी अन्य श्रेणियों (अलाइव कैटेगरीज) के उत्पादों की एक बहुत बड़ी रेंज का प्रदर्शन किया। तीन दिनों तक चले इस प्रदर्शनी में व्यापारिक खरीदारों की भारी भीड़ देखने को मिली। इनमें देश भर से आए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय रिटेलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, होलसेलर्स, ई-कॉमर्स कंपनियाँ और सोसिंग प्रोफेशनल्स शामिल थे। खरीदारों की इस मजबूत मौजूदगी ने व्यापारिक बातचीत और ऑर्डर्स मिलने की प्रक्रिया को काफी तेज कर दिया, जो ग्राहकों के सकारात्मक फीडबैक और आने वाले त्योहारी सीजन में शानदार रिटेल बिक्री का इशारा है। इस साल 83वें एनजीएफ किड्सवियर एडिशन में देश भर से 900 से अधिक प्लैटिनम खरीदार (बड़े रिटेलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स) शामिल हुए।

मीम टोकन का क्रेज कम हुआ: कॉइन डीसीएक्स, अब यूटिलिटी-आधारित निवेश का दौर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



भारत की सबसे बड़ी क्रिप्टो एक्सचेंज कंपनी कॉइन डीसीएक्स ने आज अपनी पहली छमाही 2026 इन्वेस्टर रिपोर्ट जारी की। इस

रिपोर्ट में निवेशकों के व्यवहार में आए महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर किया गया है। भारतीय क्रिप्टो निवेशक अब सहेबाजी ट्रेडिंग की बजाय दीर्घकालिक संवय, बड़े-कैप डिजिटल एसेट्स और अनुशासित पोर्टफोलियो निर्माण को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिपोर्ट यह दर्शाती है कि बाजार अब गति की बजाय विश्वास से अधिक परिभाषित हो रहा है। बिटकॉइन का वैश्विक क्रिप्टो बाजार में हिस्सा बढ़कर 58.2% हो गया, और बीटीसी हर प्रमुख भारतीय शहर और जनसांख्यिकीय समूह में सबसे अधिक रखा जाने वाला डिजिटल एसेट बनकर उभरा। इसी समय, मीम टोकन का महत्व घटकर सिर्फ 12.17% ट्रेडिंग वॉल्यूम तक सीमित रहा, जबकि लेयर-1 एसेट्स का हिस्सा 32.87% रहा। यह निवेशकों की उपयोगिता-आधारित निवेश की स्पष्ट प्राथमिकता को दर्शाता है। यह निष्कर्ष ऐसे समय में सामने आया है जब हाल के वर्षों में सबसे जटिल मैक्रोइकोनॉमिक वातावरण देखा गया है ब्याज दरों की अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक एसेट वलासेज में बढ़ी हुई अस्थिरता। इन परिस्थितियों के बावजूद, कॉइन डीसीएक्स के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निवेशक बाजार की कमजोरी के दौरान भी डिजिटल एसेट्स का संवय करते रहे, बजाय इसके कि वे पकड़पोज घटायें। कॉइन डीसीएक्स की इस रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बिटकॉइन का बाजार प्रमुख बढ़कर 58.2% तक पहुंच गया है, और अब यह सभी प्रमुख भारतीय शहरों में सबसे अधिक रखा जाने वाला डिजिटल एसेट बना हुआ है। इसी के साथ, वैश्विक बिटकॉइन ईटीएफ की व्यवस्थापनाधीन संपति 105 बिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है।

भारत में ड्राइविंग के लिए सबसे जोखिम भरा समय रात 9 से 10 बजे के बीच है: जूनो इंडिया रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2026

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



45 लाख यात्राओं और 17 लाखों के 27 हजार से अधिक उपयोगकर्ताओं के 5.5 करोड़ किलोमीटर के विश्लेषण से पता चलता है कि लोगों की ड्राइविंग आदतों में बदलाव लाने के लिए टोस प्रयासों की सख्त जरूरत है। महिलाओं और पुरुषों ने क्रमशः 92.86 और 92.43 का लगभग एक जैसा ड्राइविंग स्कोर दर्ज किया है। रात 9 बजे से 10 बजे का समय भारत में ड्राइविंग के लिए सबसे जोखिम भरे घंटे के रूप में उभरा है, जबकि दोपहर 1 बजे से 2 बजे का समय सबसे सुरक्षित है नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी जूनो जनरल इश्योरेंस ने 'ड्राइया रोड सेफ्टी रिपोर्ट' (आईआरएसआर) 2026 जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, रात 9 बजे से 10 बजे के बीच का समय भारत में ड्राइविंग के लिए सबसे जोखिम भरा घंटा है। इस दौरान औसत ड्राइविंग स्कोर 86 दर्ज किया गया, जबकि दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच का समय दिन का सबसे सुरक्षित घंटा रहा, जहां ड्राइविंग स्कोर 93 पाया गया।

यह रिपोर्ट जूनो स्मार्टड्राइव ऐप का इस्तेमाल करने वाले 17 लाखों के 27 हजार से अधिक सक्रिय यूजरों के डेटा पर आधारित है। इसके लिए 45 लाख से अधिक यात्राओं और 5.5 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा के ड्राइविंग व्यवहार का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट के निष्कर्ष बताते हैं कि किसी व्यक्ति की जनसांख्यिकीय विशेषताओं (जैसे उम्र या जेंडर) की तुलना में उसके ड्राइविंग का पैटर्न सड़क के जोखिम को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। ये आंकड़े भारत भर में सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए लोगों की ड्राइविंग आदतों में बदलाव लाने वाले टोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हैं। रिपोर्ट के बारे में, जूनो जनरल इश्योरेंस की एमडी और सीओ, शनाई घोष ने कहा, सड़क सुरक्षा भारत की सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक चुनौतियों में से एक बनी हुई है, जो जीवन, आजीविका और आर्थिक उत्पादकता को प्रभावित करती है। 'जूनो स्मार्टड्राइव' के माध्यम से, हमें लाखों यात्राओं के दौरान ड्राइविंग व्यवहार को बेहद करीब से देखने का मौका मिला है, और एक बात साफ तौर पर सामने आती है: सड़क दुर्घटनाएं अक्सर ऐसे व्यवहारिक पैटर्न की वजह से होती हैं जिन्हें पहचाना और मापा जा सकता है।

महानगर गैस लिमिटेड ने गैसीफाइड सोसायटियों के निवासियों से पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन करने का आग्रह किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

पीएनजी एक सुरक्षित, किकायती, सुविधाजनक और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन होने के नाते, भारत सरकार स्वच्छ परिवहन के लिए लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए बढ़ावा दे रही है। भारत सरकार ने उन क्षेत्रों में घरेलू पीएनजी कनेक्शनों के तेजी से विस्तार के लिए एक देशव्यापी अभियान शुरू किया है जहाँ स्थानीय गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) का मौजूदा ढांचा पहले से स्थापित हो चुका है। घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश के स्तर पर पर्याप्त प्राकृतिक गैस उपलब्ध है, जबकि भारत को एलपीजी के लिए भारी मात्रा में आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। पीएनजी को अपनाने से आयतित एलपीजी पर वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलेगी और ग्राहकों को सहजता व सुविधा प्राप्त होगी। भारत सरकार ने 24 मार्च 2026 को अधिसूचित अपने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से एसीशियल कमांडिटीज ऐक्ट के अंतर्गत अनिवार्य किया है कि पीएनजी की पहुंच वाले शहरी परिवारों को पीएनजी में रूपांतरण कर लेना चाहिए। गजट नोटिफिकेशन की धारा 7 के अनुसार, जिन क्षेत्रों में पीएनजी उपलब्ध है, वहीं के पतों पर एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति प्रत्येक व्यक्तिगत सूचना में उल्लिखित प्रभावी तिथि से 90 दिनों के भीतर बंद हो सकती है। उसके अनुसार, पीएनजी की उपलब्धता वाली उन सभी हाउसिंग सोसायटियों से अपील की गई है कि वे अपने सोसायटी सदस्यों को पीएनजी अपनाने की सलाह दें, अन्यथा गैसीफाइड सोसायटी में सूचित किए जाने के 90 दिनों के बाद उनकी एलपीजी की आपूर्ति रोक दी जा सकती है। यह उपाय संबंधित तेल विपणन कंपनी (ओएमसी) के साथ बिलकुल समन्वय बिनाकर लागू किया जा रहा है, जो समान रूप से एक वैधानिक दायित्व के तहत उन पतों पर एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति न करने के लिए बाध्य है जो चालू पीएनजी नेटवर्क के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में स्थित हैं। एमजीएल मुंबई, दाणे, मीरा-भायंदर, नवी मुंबई, रायगढ़, रब गिरी, लातूर और धाराशिव, चित्रदुर्ग, दावणगेरी में अपने परिचालन क्षेत्रों में 32 लाख से अधिक घरेलू पतों पहुंच चुका है और कई अन्य घरेलू पतों पहुंचने के लिए 8000 किलोमीटर से अधिक की स्ट्रील और पोलिथीन पाइपलाइन बिछ चुका है। जिन निवासियों ने अभी तक पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वे जल्द से जल्द पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू करें और सुविधा, बचत व सुरक्षा का लाभ उठाएं।

08 क्या वैभव सूर्यवंशी का होगा डेब्यू?



प्लेइंग- 11 में जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग- 11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजु सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियों खेलकर ‘लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट’ बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मैच देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। दोनों खिलाड़ियों का आईपीएल 2026 सीजन भी अच्छा रहा था।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजु सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांशु शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए और अगर टीम इंडिया जीतती है तो दूसरे टी20 में किसी सीनियर को बैठाकर सूर्यवंशी को मौका दिया जाए। वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड सीरीज में डेब्यू का मौका मिले या नहीं, एक बात साफ है कि उन्होंने टीम के स्थापित बल्लेबाजों पर दबाव जरूर बढ़ा दिया है। बड़ी प्रतिभाएं अक्सर ऐसा ही प्रभाव छोड़ती हैं। जब कोई 15 वर्षीय बल्लेबाज घरेलू और ए-टीम स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा हो और सुर्खियों में बना हुआ हो, तो शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों को भी पता होता है कि अब खराब प्रदर्शन की गुंजाइश पहले जैसी नहीं रही।

हर्षित राणा की वापसी आसान नहीं

तेज गेंदबाज हर्षित राणा वोट के कारण टी20 विश्व कप और आईपीएल 2026 से बाहर रहे थे। लिगामेंट इंजरी से उबरने के बाद उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले भारतीय टीम में वापसी की, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। टीम प्रबंधन ने उनकी जगह प्रिस यादव और प्रसिद्ध कृष्ण पर भरोसा जताया। प्रिस यादव ने आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 मैचों में 16 विकेट लिए थे। विराट कोहली को गोल्डन डक पर आउट करने वाली उनकी गेंद को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ गेंदों में गिना गया था। वहीं प्रसिद्ध कृष्ण ने अपने हालिया वनडे मैच में करियर का पहला पांच विकेट हॉल हासिल किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि करीब छह महीने बाद टी20 सेटअप में लौटे हर्षित राणा को सीधे मौका मिलता है या नहीं।

निगाहें सिर्फ एक नाम पर

भारतीय टीम के सामने आयरलैंड सीरीज में कई सवाल हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल वैभव सूर्यवंशी को लेकर है। आईपीएल और इंडिया-ए के लिए लगातार रन बनाने वाले इस युवा बल्लेबाज ने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अब देखा जा रहा है कि उन्हें बेलफास्ट में भारत की नीली जर्सी पहनने का मौका मिलता है या उनके डेब्यू के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा।

‘प्रहार – द उज्ज्वल निकम स्टोरी’ का दमदार टीजर रिलीज

‘प्रहार – द उज्ज्वल निकम स्टोरी’ का टीजर आधिकारिक रिलीज हो गया है। इस टीजर के आते ही ऐसा झटका देता है कि नजर हटाना मुश्किल। ये फिल्म भारत के सबसे चर्चित स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर्स में से एक, उज्ज्वल निकम की ज़िंदगी और करियर से इंस्पायर्ड है। टीजर पहली ही झलक में इसकी पावरफुल टोन सेट कर देता है।

■ हर किरदार में पूरी तरह घुस जाने वाले राजकुमार राव इस बार फिर अपनी एक्टिंग की गिरगिट-टाइप रेंज दिखाते नजर आ रहे हैं। वो ऐसे इंसान का रोल निभा रहे हैं जो देश की कई बड़ी कानूनी लड़ाइयां का चेहरा रहा है। उज्ज्वल निकम का करियर कई हाई-प्रोफाइल केस से भरा पड़ा है, लेकिन टीजर साफ इशारा देता है कि फिल्म का फोकस उनकी ज़िंदगी के सबसे अहम घेटर पर रहेगा – 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद अजमल कसाब के ट्रायल पर।

■ इसी कहानी के जरिए प्रहार उस लीगल बैटल को सामने लाने वाली है जिसने पूरे देश को एक साथ स्क्रीन से पिंपका दिया था। टीजर एक इंटेंस कोर्टरूम ड्रामा की झलक देता है – जहां हर सीन में टेंशन, दमदार बहस और इमोशनल पंच है। और इस पूरे खेल को राजकुमार राव बड़ी मजबूती और कंट्रोल के साथ लीड करते नजर आते हैं। टीजर की सबसे खास बात है राजकुमार का ऑथेंटिसिटी वाला कमिटमेंट। उनका लुक, बॉडी लैंग्वेज, और खासकर मराठी पर पकड़ – सब कुछ इतना डिटेल में काम किया गया है कि किरदार स्क्रीन पर पूरी तरह असली लगता है। ऊपर से टीजर के डायलॉग्स भी ऐसे हैं जो सीधे सीने में लगते हैं – मतलब थिएटर वाला एक्सपीरियंस फुल पावर में आने वाला है।

■ पाताल लोक और थी ऑफ अस जैसे सराह गए प्रोजेक्ट्स के डायरेक्टर अविनाश अरुण इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं, और यहां भी उनका वही ग्राउंडेड और शार्प ट्वे नजर आता है – जो कहानी को सिर्फ थ्रिलिंग ही नहीं, इमोशनली भी गहरा बनाता है। राजकुमार राव के साथ फिल्म में वामिका गब्बी, जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर और तरुण शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ‘प्रहार – द उज्ज्वल निकम स्टोरी’ 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर – 421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड – 2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई – 603, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।

दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजु बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेन्ट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप

दैनिक ठाणे, शुक्रवार 26 जून, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक

ग्लोबल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में कान लायंस में हिस्सा लिया। यह क्रिएटिविटी का पांच दिन का इंटरनेशनल फेस्टिवल है, जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की रीढ़ माने जाने वाले क्रिएटिव और मार्केटिंग कम्प्युनिटीज के काम को सेलिब्रेट करता है। इस दौरान प्रियंका की पर्सनैलिटी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और उनकी 1.8 लाख रुपए की ड्रेस तुरंत ही आकर्षण का केंद्र बन गई।

प्रियंका ने पहनी 1,80,900 रुपए की ड्रेस

प्रियंका को डेबसी थिएटर में स्टोरीटेलिंग, ऑरिजिनैलिटी और अपने विजन को बनाए रखने जैसे विषयों पर बात करने के लिए बुलाया गया था। इस इवेंट के लिए उन्होंने सिल्विया वेरासी की कलर-ब्लॉकड हॉल्टर ड्रेस पहनी। इसकी कीमत 1,80,900 रुपए थी। इटैलियन फैब्रिक से बनी इस मैक्सि ड्रेस का कॉलम सिल्वुट इसे एक स्टाइलिश लुक दे रहा था। पीछे की तरफ टाई डिटेल्स वाली हॉल्टर ने नेकलाइन से एक्ट्रेस के लुक को और भी शानदार बना दिया।

इस तरह अपने लुक को किया कंप्लीट

अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस ने ड्रेस के साथ 35,574 रुपए की फ्रेड साव्वाडोर लेंडर योग सैंडल पहनीं। क्योंकि प्रियंका को इवेंट में बोलना था, इसलिए उन्होंने केजुअल पावर ड्रेसिंग का उदाहरण देते हुए अपना लुक सिंपल रखा। उन्होंने अपने बालों को लूज वेव्स में स्टाइल किया और खुला छोड़ दिया। ड्रेस के साथ उन्होंने पिंक नेकलेस और रोलेंक्स डे-डेंट 40 वॉकलेट डायल घड़ी पहनी।



■ साई सुदर्शन ने गुरुवार को पहले मैच में 130 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने आयुष पांडे के साथ पारी की शुरुआत की, जिन्होंने 64 गेंद में 25 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी हुई। त्वंच के बाद सुदर्शन ने अपने गियर बदले और आक्रामक शॉट लगाए। उन्होंने खराब गेंदों को बाइंडी के पार पहुंचाया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ के साथ उन्होंने 90 रन जोड़े। गायकवाड़ 22 रन ही बना सके। कप्तान ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतक लगाया है। जुरेल और रशीद के बीच हुई साझेदारी की बदौलत इंडिया ए पहली पारी में 300 के पार पहुंचने में सफल रहा। यह सीरीज साई सुदर्शन और देवदत्त पंडिकवल के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज टीम में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। सुदर्शन अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय एकादश का हिस्सा थे।

विदेशी धरती पर ए आर रहमान ने बजाया डंका, वॉशिंगटन में मिला यह सम्मान

ए आर रहमान अक्सर अपने संगीत से दुश्मनों की हारान करते हैं। उनके संगीत को देश ही नहीं विदेशों में भी खूब पसंद किया जाता है। यही वजह है कि उन्हें ऑस्कर मिला है। म्यूजिक कंपोजर को अब एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्होंने अमेरिका के वॉशिंगटन में एक समारोह में ‘अकादमी ऑफ अचीवमेंट अवॉर्ड’ से सम्मानित किया गया है।



■ इस फिल्म में अक्षरा सिंह अक्षय कुमार के साथ धमाकेदार डॉस नंबर ‘धिस धिस धिस’ में थिरकती हुई दिखाई देंगी। हाल ही में एक इवेंट के दौरान अक्षरा सिंह को अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करने का मौका मिला। इस ऐतिहासिक पल की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें अक्षरा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ अक्षरा ने ‘खिलाड़ी कुमार’ के लिए एक बेहद भावुक और दिल छू लेने वाला संदेश लिखा है। एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार के प्रति अपना आभार और सम्मान व्यक्त करते हुए लिखा कि खिलाड़ी कुमार के साथ यादगार मुरादाबाद। कभी अक्षय कुमार सर को स्क्रीन पर देखकर वास्तियां बद जाती थी, आज उनके साथ मंच साझा कर रही हूं। अक्षरा ने आगे लिखा कि अक्षय कुमार का स्टारडम पूरी दुनिया देखती है, लेकिन जिस चीज ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह है अक्षय कुमार की सादगी और उनकी विनम्रता। अक्षय कुमार की स्क्रीन और रीयल लाइफ मौजूदगी बेहद प्रभावशाली है, लेकिन एक इंसान के रूप में उनकी इंसानियत उससे भी कहीं ज्यादा खूबसूरत है। उन्होंने इस सुनहरी मौके के लिए अपने परिवार और फैस के प्यार, समर्थन और आशीर्वाद का दिल से धन्यवाद किया।

भारत ए टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष पांडे, देवदत्त पंडिकवल (उपकप्तान), रूतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, अशुल कंबोज, एन जगदीशन (विकेटकीपर), अमन मोखाडे, शेख रशीद और जिशान अंसारी।

■ साई सुदर्शन ने गुरुवार को पहले मैच में 130 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने आयुष पांडे के साथ पारी की शुरुआत की, जिन्होंने 64 गेंद में 25 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी हुई। त्वंच के बाद सुदर्शन ने अपने गियर बदले और आक्रामक शॉट लगाए। उन्होंने खराब गेंदों को बाइंडी के पार पहुंचाया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ के साथ उन्होंने 90 रन जोड़े। गायकवाड़ 22 रन ही बना सके। कप्तान ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतक लगाया है। जुरेल और रशीद के बीच हुई साझेदारी की बदौलत इंडिया ए पहली पारी में 300 के पार पहुंचने में सफल रहा। यह सीरीज साई सुदर्शन और देवदत्त पंडिकवल के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज टीम में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। सुदर्शन अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय एकादश का हिस्सा थे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर – 421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड – 2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई – 603, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।

दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजु बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेन्ट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप

GAME & GLAMOUR



ईशा अंबानी का स्टाइलिश लुक

अंबानी परिवार अक्सर अपने स्टाइल को लेकर काफी चर्चा में रहता है, खासतौर पर नीता अंबानी और उनकी बेटी ईशा अंबानी। अब हाल में ही ईशा अंबानी सर्पेटाइन समर पार्टी में पहुंचीं। इस मौके पर उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वो बिल्कुल लाल पारी लग रही हैं। इस मौके पर उन्होंने अपनी मां की स्पेशल ज्वेलरी पहनी और इस इवेंट को और भी खास बना दिया। उनका यह स्टाइल बॉलीवुड की हसीनाओं को भी मात दे रहा है, तो चलिए देखते हैं कैसा है ईशा अंबानी का ये लुक।

■ सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट अनीता श्राॅफ अदजानिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ईशा अंबानी की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। सर्पेटाइन समर पार्टी में अंबानी की बेटी ईशा का यह लुक सबका ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। सोशल मीडिया पर उनका यह लुक काफी तेजी से वायरल हो रहा है। डिजाइनर स्टीव ओ स्मिथ के द्वारा डिजाइन की गई लाल रंग की ड्रेस पहनकर ईशा अंबानी पार्टी में पहुंचीं। इसी के साथ खास बात यह है कि उन्होंने इस ड्रेस के साथ अपनी मां नीता अंबानी की ज्वेलरी पहनी हुई है। मैचिंग हील्स के साथ उन्होंने अपने लुक को पूरा किया और ईशा इस ड्रेस में किसी पारी से कम नहीं लग रही हैं। वहीं अगर उनका मेकअप देखा जाए तो उन्होंने अपने मेकअप को काफी सिंपल और सटल रखा हुआ है लेकिन इसी के साथ उनका हेयरस्टाइल काफी मॉडर्न लुक दे रहा है। ईशा अम्बानी जिस भी इवेंट में जाती हैं, वहां जाकर सुर्खियां जरूर बटोरती हैं।

अक्षय कुमार की सादगी पर फिदा हुई अक्षरा सिंह



भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी बेहतरीन अदाकारी और सुरीली आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अब बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अक्षरा सिंह बहुत जल्द बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ में एक बेहद खास भूमिका में नजर आएंगी।

■ इस फिल्म में अक्षरा सिंह अक्षय कुमार के साथ धमाकेदार डॉस नंबर ‘धिस धिस धिस’ में थिरकती हुई दिखाई देंगी। हाल ही में एक इवेंट के दौरान अक्षरा सिंह को अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करने का मौका मिला। इस ऐतिहासिक पल की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें अक्षरा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ अक्षरा ने ‘खिलाड़ी कुमार’ के लिए एक बेहद भावुक और दिल छू लेने वाला संदेश लिखा है। एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार के प्रति अपना आभार और सम्मान व्यक्त करते हुए लिखा कि खिलाड़ी कुमार के साथ यादगार मुरादाबाद। कभी अक्षय कुमार सर को स्क्रीन पर देखकर वास्तियां बद जाती थी, आज उनके साथ मंच साझा कर रही हूं। अक्षरा ने आगे लिखा कि अक्षय कुमार का स्टारडम पूरी दुनिया देखती है, लेकिन जिस चीज ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह है अक्षय कुमार की सादगी और उनकी विनम्रता। अक्षय कुमार की स्क्रीन और रीयल लाइफ मौजूदगी बेहद प्रभावशाली है, लेकिन एक इंसान के रूप में उनकी इंसानियत उससे भी कहीं ज्यादा खूबसूरत है। उन्होंने इस सुनहरी मौके के लिए अपने परिवार और फैस के प्यार, समर्थन और आशीर्वाद का दिल से धन्यवाद किया।

एक्स पर दी जानकारी

म्यूजिक के उस्ताद रहमान ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने मशहूर फिल्ममेकर पीटर जैक्सन से मिले ‘गोल्डन प्लेट अवॉर्ड’ की तस्वीरें शेयर कीं। ए आर रहमान ने लिखा कि आज शाम ‘अकादमी ऑफ अचीवमेंट अवॉर्ड’ पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

वया है ‘अकादमी ऑफ अचीवमेंट’ ?

‘अकादमी ऑफ अचीवमेंट’ वॉशिंगटन में स्थित एक नॉन-प्रॉफिट संस्था है, जो कला, विज्ञान, बिजनेस और जनसेवा जैसे क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करती है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर – 421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड – 2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई – 603, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।

दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजु बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेन्ट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप